गुरुवार, 14 मई, 2026
ज्यैष्ठ, कृ.प., द्वादशी, विक्रमीय संवत् 2083
मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)
वर्ष : 21, संख्या : 160, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483
www.bharatmitranews.com

# भारतमित्र

प्रथम प्रकाशन 1878

अवैध कारखानों के कटेंगे बिजली–पानी कनेक्शन

पेज–3

अमित शाह 16-17 मई को गुजरात दौरे पर, अहमदाबाद एवं गांधीनगर के कार्यक्रम में होंगे शामिल

पेज–5

राज्य में जिला परिषद और निगमों के टोल टैक्स बंद


पेज–6

रोनाल्डो के पास वर्ल्ड कप जीतने का आखिरी मौका
पेज–8

BHARATMITRA, KOLKATA, THURSDAY, 14 MAY 2026

## जन-गण-शरणम् गच्छामि

# अब होगा बंगाल में सबका हिसाब

## फिर होगी 2021 के चुनावी हिंसा मामलों की जांच

**कोलकाता ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी घोषणा के तहत कहा था कि उनकी सरकार आई तो सबका साथ और सबके विकास के साथ ही बंगाल में करेगी सबका हिसाब। सीएम शुभेंदु ने 2021 की हिंसा में शामिल लोगों के हिसाब-किताब की फाइल खोलकर पीएम के वायदे को साकार करने का काम किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने 2021 विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों की दोबारा समीक्षा और जांच कराने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को आदेश जारी किया है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अवैध पशु तस्करी के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी

### सीएम ने दिए केस दोबारा खोलने के निर्देश

आदेश में कहा गया है कि चुनाव बाद हिंसा से जुड़े मामलों की जांच को लेकर गंभीर शिकायतें मिली हैं। आदेश में कहा गया, ÷2021 विधानसभा चुनाव के बाद आपके अधिकार क्षेत्र में दर्ज राजनीतिक हिंसा के पुराने मामलों की उचित कानूनी कार्रवाई के लिए समीक्षा की जाए।÷ सरकार ने निर्देश दिया है कि 2021 चुनाव बाद हिंसा मामलों में दाखिल अंतिम रिपोर्टों की सावधानीपूर्वक जांच की जाए और जहां जांच में किसी प्रकार की लापरवाही या कमी पाई जाए, वहां मामलों को दोबारा खोलकर विस्तृत जांच की जाए। आदेश में यह भी कहा गया है कि जिन मामलों में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी, लेकिन प्रारंभिक जांच में संज्ञेय अपराध सामने आते हैं, वहां नए मामले दर्ज किए जा सकते हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को इस पूरी प्रक्रिया की व्यक्तिगत निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही आरोपपत्र दाखिल होने के बाद मुकदमों की नियमित निगरानी करने को भी कहा गया है। उल्लेखनीय है कि, 2021 विधानसभा चुनाव में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में व्यापक हिंसा की घटनाएं सामने आई थीं। भाजपा ने उस चुनाव में 77 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल किया था। वर्ष 2016 में पार्टी के पास केवल तीन सीटें थीं। चुनाव बाद हिंसा के दौरान हत्या, दुष्कर्म, तोडफ़ोड़, आगजनी और भाजपा कार्यकर्ताओं तथा उनके परिवारों पर हमले के कई आरोप सामने आए थे। इन मामलों को लेकर मामला बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय पहुंचा था, जहां गंभीर हत्या और दुष्कर्म के मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने का आदेश दिया गया था। इनमें से कई मामले अब भी लंबित हैं और पीड़ित न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अब सरकार ने ऐसे मामलों को दोबारा खोलने और उनकी समीक्षा की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

## त्रिपुरा चिटफंड घोटाले में फरार आरोपित कोलकाता से गिरफ्तार

**नयी दिल्ली ।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने त्रिपुरा के बहुचर्चित चिटफंड घोटाले में वांछित आरोपित संजीत चक्रवर्ती को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित पर लगभग 7.75 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि संजीत चक्रवर्ती कोलकाता स्थित कॉस्मिक नेगोशिएटर्स प्राइवेट लिमिटेड का चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर था। वर्ष 2013 में त्रिपुरा पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद से फरार था। त्रिपुरा सरकार और केंद्र सरकार की अधिसूचनाओं के बाद सीबीआई ने इन मामलों की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच के बाद वर्ष 2015 में पहले मामले में संजीत चक्रवर्ती और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। इसमें लगभग 7.48 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है। दूसरे मामले में वर्ष 2024 में आरोपपत्र दाखिल किया गया।

## विधानसभा पहुंचे मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, भवानीपुर से ली विधायक पद की शपथ

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को विधानसभा में भवानीपुर सीट से विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा पहुंचने से पहले उन्होंने सीढ़ियों पर माथा टेककर प्रणाम किया। विधानसभा परिसर में उनका औपचारिक स्वागत किया गया और परंपरा के अनुसार उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मुख्यमंत्री का स्वागत प्रोटेम स्पीकर और मानिकतला से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक तापस राय ने किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और विधानसभा में मुख्यमंत्री के लिए निर्धारित कक्ष में पहुंचे। वहां उन्होंने पूजा-अर्चना भी की। बाद में मुख्यमंत्री ने पूजा का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया, जिसमें वह घंटी बजाकर पूजा करते दिखाई दिए।

इसके बाद मुख्यमंत्री विधानसभा कक्ष में पहुंचे, जहां प्रोटेम स्पीकर तापस राय ने उन्हें सबसे पहले शपथ दिलाई। भवानीपुर सीट से विधायक के रूप में शपथ लेने के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि वह नंदीग्राम सीट छोड़ने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शपथ ग्रहण का वीडियो भी एक्स पर साझा किया।

मुख्यमंत्री के बाद राज्य मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल और निशीथ प्रमाणिक शामिल रहे। इसके बाद अन्य विधायकों के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई।

सूत्रों के अनुसार, पहले चरण में दोपहर डेढ़ बजे तक करीब 80 विधायकों ने शपथ ली। इस चरण में मुख्य रूप से उत्तर बंगाल और मुर्शिदाबाद के विधायक शामिल रहे। आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के नेता हुमायूं कबीर ने भी नाओदा सीट से विधायक पद की शपथ ली। इसके साथ ही उनके रेजिनगर सीट छोड़ने की संभावना जताई जा रही है। दूसरे चरण का शपथ ग्रहण दोपहर दो बजे शुरू होगा, जो शाम 4 बजे तक चलेगा। इस चरण में नदिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के विधायकों ने शपथ ली।

विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण गुरुवार को भी जारी रहेगा। सभी विधायकों को प्रोटेम स्पीकर तापस राय शपथ दिलाएंगे। सामान्य तौर पर विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाता है और स्थायी स्पीकर के चुनाव तक वही सदन की कार्यवाही संभालते हैं। मंगलवार को राज्यपाल आरएन रवि ने लोक भवन में तापस राय को प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई थी। 15 मई को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होना है। सूत्रों के मुताबिक, अध्यक्ष पद के लिए तापस राय के नाम पर विचार किया जा सकता है।

# पीएम मोदी के काफिले की लंबाई घटी

**नयी दिल्ली ।** मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक तेल की कीमतों मंत बढ़ोतरी से अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे असर को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से खर्च में कटौती करने की अपील की थी। इस अपील के बाद, कई केंद्रीय मंत्रियों ने अपने सरकारी काफिलों में गाड़ियों की संख्या कम कर दी है। कई कैबिनेट मंत्रियों ने अपने सुरक्षा काफिलों का आकार लगभग 50 प्रतिशत तक कम कर दिया है। खुद एक मिसाल कायम करते हुए, प्रधानमंत्री आज कैबिनेट बैठक के लिए अपने आवास से दफ्तर सिर्फ चार गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचे। यह सामान्य नियम से एक महत्वपूर्ण बदलाव है, क्योंकि ब्लू बुक जो प्रधानमंत्री के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों पर आधारित प्रोटोकॉल नियमावली है। यह निर्धारित करती है कि उनके काफिले में आमतौर पर 14 से 17 वाहन होते हैं। इसके अलावा, मौजूदा सुरक्षा खतरों को



देखते हुए, राज्य पुलिस बलों के जवान और गाड़ियां भी काफिले के हिस्से के तौर पर तैनात की जाती हैं। इस्तेमाल की भी वकालत की है। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस

### भाजपा शासित राज्यों में लागू हुआ नियम

नतीजतन, प्रधानमंत्री के साथ चलने वाली गाड़ियों की कुल संख्या कभी-कभी बढ़कर 30 से 40 के बीच हो सकती है। प्रधानमंत्री ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों के ज़्यादा बदलाव के दौरान कोई नई गाड़ी नहीं खरीदी जानी चाहिए। पीएम मोदी के अलावा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जिन्हें जेड+ श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है और जो आम तौर पर 11 गाड़ियों के काफिले के साथ चलते हैं। अब सिर्फ़ चार गाड़ियों का काफिला इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी तरह, गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी अपने सरकारी काफिले में गाड़ियों की संख्या घटाकर सिर्फ़ चार कर दी है। रक्षा मंत्री की तरह, इन दोनों मंत्रियों को भी "+ श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। यह सिर्फ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट ही नहीं है, जिन्होंने खर्च में कटौती की मुहिम के तहत कदम उठाए हैं। ॠछक्कशासित कई राज्यों ने भी सरकारी खर्च में कटौती करने और मंत्रियों व अधिकारियों के बीच संयम को बढ़ावा देने के मकसद से निर्देश जारी किए हैं। महाराष्ट्र में सरकार ने मंत्रियों के अपनी मर्ज़ी से सरकारी विमानों का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है; अब सिर्फ़ बहुत ज़रूरी सरकारी काम के लिए ही विमान का इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिसके लिए मुख्यमंत्री से पहले मंज़ूरी लेनी होगी। कुछ मंत्रियों के विदेश दौरे भी रद्द कर दिए गए हैं।

## राज्य ने अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई को दी कार्रवाई की मंजूरी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को नवान्न में आयोजित पत्रकार वार्ता में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सरकार की ÷जीरो टॉलरेंस÷ नीति का ऐलान करते हुए बड़ा फैसला लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को कार्रवाई और आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दे दी है। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले चार वर्षों से सीबीआई के कई मामलों को लंबित रखकर भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि किसी भी भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ सीबीआई या अदालत द्वारा नियुक्त जांच एजेंसी को आरोपपत्र दाखिल करने अथवा दंडात्मक कार्रवाई के लिए राज्य सरकार की अनुमति आवश्यक होती है। पूर्व सरकार ने जानबूझकर यह अनुमति रोके रखी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने तीन विभागों से जुड़े भ्रष्टाचार मामलों में आवश्यक मंजूरी सीबीआई को दे दी है और इसकी प्रति एजेंसी को सौंप दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा विभाग में शिक्षक भर्ती घोटाला, नगर निकायों में नियुक्ति अनियमितता और सहकारिता विभाग से जुड़े मामलों में अदालत के निर्देश पर चल रही जांच में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति प्रदान की गई है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार जनता की बड़ी अपेक्षाओं के साथ सत्ता में आई है और संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम उठाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रचार के दौरान भी हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया था। यह हमारे दल के घोषणापत्र का भी हिस्सा था। आने वाले दिनों में राज्य के लोग इस दिशा में और ठोस कदम देखेंगे। काम शुरू हो चुका है।

## मुलायम के छोटे बेटे प्रतीक यादव का निधन

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव (38 वर्ष) का आज बुधवार सुबह निधन हो गया। पुलिस ने शव का किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम करायाद्य डॉक्टरों ने मौत की वजह कार्डियेक अरेस्ट बताया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर में किसी प्रकार का चोट का निशान नहीं है और आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित रख लिया गया है। प्रतीक के निधन की खबर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत तमाम राजनेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और परिवार को ढांढस बंधाया। प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव भाजपानेत्री के साथ साथ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं और घटना के समय वे प्रदेश से बाहर थीं।

## पीएम मोदी की अपील के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी घटाया अपना काफिला

**कोलकाता।** पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच ईंधन बचत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अपने आधिकारिक काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम करने का फैसला किया है। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों को गैर जरूरी वाहनों को हटाने का निर्देश दिया है।

बुधवार को भवानीपुर से विधायक पद की शपथ लेने के बाद विधानसभा परिसर के बाहर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को केवल आवश्यक वाहनों को ही काफिले में रखने को कहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा के साथ केंद्रीय सुरक्षा भी प्राप्त है। इस वजह से उनके काफिले में सामान्य तौर पर बड़ी संख्या में वाहन शामिल रहते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए काफिले को सीमित करने का निर्णय लिया।दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण बढ़ते आर्थिक दबाव के मद्देनजर सरकारी अधिकारियों और आम नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की थी। इसी पहल के तहत प्रधानमंत्री ने अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या भी लगभग 50 प्रतिशत तक कम करने का फैसला किया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या घटाकर इसी तरह का कदम उठाया है।

बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर से विधायक के रूप में शपथ ली। उनके साथ कई मंत्रियों और नवनिर्वाचित विधायकों ने भी शपथ ग्रहण किया। शपथ दिलाने की प्रक्रिया प्रोटेम स्पीकर तापस राय ने संपन्न कराईइस बीच भाजपा के कई विधायक भी प्रधानमंत्री की अपील का पालन करते नजर आए। कई भाजपा विधायक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बसों से विधानसभा पहुंचे।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, शीर्ष नेताओं द्वारा उठाए गए ये कदम पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक परिस्थितियों से उत्पन्न आर्थिक दबाव और बढ़ती ईंधन कीमतों को लेकर प्रतीकात्मक तथा प्रशासनिक प्रतिक्रिया के रूप में देखे जा रहे हैं।

## दूध की कीमत 2 रुपये बढ़ी

**नई दिल्ली,** डेयरी और एफएमसीजी क्षेत्र से उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। देश की प्रमुख डेयरी को-ऑपरेटिव अमूल और मदर डेयरी ने अपनी दूध की कीमतों में इजाफा करने का फैसला किया है, जिसका सीधा असर आम आदमी के मासिक बजट पर पड़ेगा।

**कीमत में कितना बदलाव?**

अमूल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पूरे भारत में दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह एक राष्ट्रीय स्तर की मूल्य वृद्धि है, जो देश के सभी बाजारों में समान रूप से लागू की जा रही है। कीमत में बदलाव के बाद अमूल का फुल क्रीम दुध अब 72 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से मिलेगा। मदर डेयरी ने भी 14 मई से दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है।

**बात पते की ...** श्याम जगोता

# तिलजला अग्निकांड में अवैध फैक्ट्री पर बुलडोजर कार्रवाई

**कोलकाता।** तिलजला इलाके में हुए भीषण अग्निकांड मामले में बंगाल की नई भाजपा सरकार ने बुलडोजर से कार्रवाई को आज अंजाम दिया है। आग लगने के बाद व उक्त खबर के लिखे जाने तक बुलडोजरों से अवैध तिलजाला ढांचे को ध्वस्त किया जा रहा था। यहीं नहीं तिलजला इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान शुरू किया गया। बुलडोजर अवैध चमड़ा कारखाने के स्थल पर पहुंचे और उस अनधिकृत ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया जो हाल ही में एक भीषण आग में जलकर खाक हो गया था। उक्त अभियान को नगर निगम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में की गई। वहीं महानगर कोलकाता के तिलजला इलाके में




हुए भीषण अग्निकांड के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री मालिक जाफर निशाद और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी आज सुबह उस समय की गई जब जांच रिपोर्ट पेश होने से पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार दोपहर तपसिया के 50/1 जीजे खान रोड स्थित एक बहुमंजिला इमारत में आग लग गई थी। जानकारी के मुताबिक, टालिखोला मस्जिद के पास स्थित इस इमारत के भीतर चल रहे चमड़े के कारखाने में अचानक आग भड़क उठी, जिससे पूरा इलाका धुएं से भर गया। आग लगते ही फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारी घबरा गए और कई लोग जान बचाने के लिए बाथरूम में छिप गए। बाद में राहत और बचाव दल ने उन्हें बाहर निकाला। गंभीर रूप से झुलसे दो लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया है। घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया और मुख्यमंत्री के निर्देश पर जांच कमेटी का गठन किया गया। मंगलवार रात करीब नौ बजे ही इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। पुलिस अब आग लगने के कारणों और सुरक्षा मानकों में लापरवाही की जांच कर रही है। बता दे कि, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा किए गए उच्च स्तरीय निरीक्षण के बाद यह कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने घनी आबादी वाले इलाकों में इस तरह के जानलेवा कारखानों को संचालित करने वाले ÷संस्थागत भ्रष्टाचार÷ की कड़ी निंदा की। इमारत को निशाना बनाकर सरकार का उद्देश्य शहर भर में चल रहे ÷अवैध कारखानों÷ के मालिकों को कड़ा संदेश देना है।

# एसएससी : 'दागी' उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के निर्देश, वेतन वसूली की भी तैयारी

**कोलकाता ।** पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में राज्य शिक्षा विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को बड़ा निर्देश जारी किया है। विभाग ने जिला प्रशासन से उन ÷चिह्नित दागी÷ उम्मीदवारों की सूची तैयार करने को कहा है, जिन्होंने कथित रूप से पैसे देकर सरकारी स्कूलों में शिक्षक और गैर-शिक्षक पद हासिल किए थे। सूत्रों के मुताबिक, जिलाधिकारियों को सिर्फ ऐसे उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए ही नहीं कहा गया है, बल्कि उनसे यह भी कहा गया है कि वे उन लोगों को सेवा अवधि के दौरान मिले वेतन और उस पर लगने वाले ब्याज का पूरा हिसाब तैयार करें। राज्य सरकार अब इन उम्मीदवारों से वेतन की वसूली की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। शिक्षा विभाग

के अधिकारियों के अनुसार, ÷चिह्नित दागी÷ उम्मीदवार वे हैं जिन्होंने भर्ती परीक्षा में खाली या अधूरी उत्तर पुस्तिका जमा करने के बावजूद नौकरी हासिल की, या फिर रैंक में अनियमित बढ़ोतरी तथा पैनल से बाहर भर्ती के जरिए नियुक्ति पाई। उल्लेखनीय है कि पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने वर्ष 2024 में और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2025 में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की 2016 भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। अदालतों ने भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का हवाला देते हुए करीब 26 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षाकर्मियों की नियुक्तियां निरस्त कर दी थीं। अदालतों ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि जिन उम्मीदवारों की नियुक्ति अवैध तरीके से हुई है, उनसे वेतन और उस पर ब्याज की राशि वापस ली जाए। हालांकि लंबे समय तक यह प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी थी। अब राज्य शिक्षा विभाग ने उच्च प्रशासनिक स्तर से निर्देश मिलने के बाद वसूली की कार्रवाई तेज करने का फैसला लिया है। जिलाधिकारियों को भेजे गए पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने तीन अप्रैल 2025 को स्पष्ट निर्देश दिया था कि 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग पैनल में पैसे देकर नौकरी पाने वाले अयोग्य शिक्षकों को वेतन लौटाना होगा। सूत्रों के अनुसार, पहले इस मामले में लापरवाही बरती गई थी, लेकिन अब राज्य सरकार सर्वोच्च अदालत के आदेश को लागू करने के लिए तेजी से कदम उठा रही है।कुछ वर्ष पहले जब अयोग्य उम्मीदवारों की सूची सार्वजनिक हुई थी, तब उसमें तृणमूल कांग्रेस नेताओं के कई रिश्तेदारों और करीबी लोगों के नाम होने का भी दावा किया गया था। भर्ती घोटाले के कारण कुल 25 हजार 735 लोगों की नौकरियां गई थीं। इनमें 18 हजार 418 शिक्षक थे, जबकि बाकी गैर-शिक्षाकर्मी शामिल थे।

## बर्दवान : गाय तस्करी मामले में दो गिरफ्तार, 22 गाय बरामद

**पूर्व बर्धमान, ।** बर्दवान सदर पुलिस ने बर्दवान शहर में गाय की तस्करी के संदेह में छापेमारी के दौरान 22 गायों को बरामद किया। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों की पहचान शेख रफीकुल इस्लाम (30) और मिंटू शेख (50) के रूप में हुई है। वे पूर्वस्थली पुलिस स्टेशन के हल्दी नपाड़ा इलाके के निवासी है। आरोपितों को मंगलवार को बर्दवान जिला अदालत में पेश किया गया। बुधवार को पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार देर रात बर्दवान शहर के बादामतला इलाके में मुख्य डाकघर के सामने गाय से लदे एक संदिग्ध वाहन को रोका गया। पुलिस ने तलाशी ली और 22 गायों को बरामद किया। मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित बरामद गायों के वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, उन्होंने दावा किया कि गायों को बांकुरा के पत्रसायर क्षेत्र से लाया गया था और उन्हें श्रीखंड ले जाया जा रहा था। फिर तस्करी के संदेह में गायों को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 303 (2), 317 (2), 317 (4), 317 (5) और 62 (2) के तहत मामला दर्ज किया है। बर्दवान सदर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है।

## फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग में करोड़ों का नुकसान

**सिलीगुड़ी ।** शहर के पास पतिराम जोत के अनिल नगर इलाके में बुधवार तडके भीषण आग लगने से एक पुरानी फर्नीचर फैक्ट्री पूरी तरह जलकर खाक हो गई। मालिक पक्ष के अनुसार, इस हादसे में कई करोड़ रुपये के फर्नीचर जलकर नष्ट हो गए। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले सुबह के समय फैक्ट्री से उठती आग की ऊंची लपटें देखी, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग को बुलाया गया, लेकिन सडक़ की सुविधा न होने के कारण दमकल की गाडियां समय पर मौके पर नहीं पहुंच सकी। इस बीच आग इतनी तेजी से फैल गई कि स्थानीय लोग प्रयास करने के बावजूद उस पर काबू नहीं पा सके। बाद में दमकल की एक छोटी गाड़ी वैकल्पिक रास्ते से मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की जांच माटीगाड़ा थाने की पुलिस ने शुरू कर दी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

## ऑरेंज लाइन परियोजना के लिए चिंगड़ीघाटा में शुरू होगा काम, ईएम बाइपास पर कई घंटों तक यातायात प्रतिबंध

**कोलकाता, ।** कोलकाता मेट्रो की लंबे समय से लंबित ऑरेंज लाइन परियोजना के तहत चिंगड़ीघाटा सेक्शन में काम 15 मई से शुरू होने जा रहा है। इसके चलते व्यस्त ईस्टर्न मेट्रोपॉलिटन (ईएम) बाइपास पर लगातार दो सप्ताहांत तक विस्तारित यातायात प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। यह जानकारी मेट्रो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दी। अधिकारी के अनुसार, इस कॉरिडोर की निर्माण एजेंसी रेल विकास निगम लिमिटेड कवि सुभाष से एयरपोर्ट तक बनने वाले एलिवेटेड वायाडक्ट के तहत चिंगड़ीघाटा इलाके में पीयर संख्या पी-317, पी-318 और पी-319 पर सेगमेंट लॉन्चिंग का काम करेगी। इस कार्य को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए ईएम बाइपास के पश्चिमी हिस्से में पीयर पी-317 और पी-318 के बीच 60 घंटे का लगातार यातायात प्रतिबंध लागू किया जाएगा। यह प्रतिबंध 15 मई की रात आठ बजे से शुरू होकर 18 मई की सुबह आठ बजे तक प्रभावी रहेगा। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय किया गया है। यात्रियों और वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है, ताकि ट्रैफिक दबाव कम किया जा सके। कोलकाता मेट्रो की ऑरेंज लाइन को शहर की महत्वपूर्ण परिवहन परियोजनाओं में माना जा रहा है, जो भविष्य में दक्षिण कोलकाता को एयरपोर्ट से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी।

## दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत

**सिलीगुड़ी ।** शहर के इंदिरा गांधी मैदान के सामने सडक़ हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपक सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के निवासी थे। हालांकि लंबे समय से सिलीगुड़ी में रहकर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम दीपक अपने एक दोस्त के साथ बाइक पर उस इलाके में खड़े थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक अन्य बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तुरंत सिलीगुड़ी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से बाद में एक निजी नर्सिंग होम में रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक के परिजन बुधवार को बिहार से सिलीगुड़ी पहुंचे। जिसके बाद मृतक के परिवार और दोस्तों ने भक्ति नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। हादसे के बाद पुलिस ने मौके से दोनों बाइक जब्त कर ली है, लेकिन आरोपित चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

## अन्नपूर्णा भंडार योजना में महिलाओं को मिलेगा लाभ, अपात्र नामों की होगी विस्तृत जांच - मंत्री अग्निमित्रा

**कोलकाता, ।** पश्चिम बंगाल सरकार की नई सामाजिक सहायता योजना 'अन्नपूर्णा भंडार' को लेकर राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती 'लक्ष्मी भंडार' योजना को नए स्वरूप में लागू किया जा रहा है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि योजना में शामिल अपात्र और संदिग्ध नामों की विस्तृत जांच की जाएगी, ताकि वास्तविक लाभार्थियों तक ही सहायता पहुंच सके।

बुधवार को पत्रकारों से

बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार योजना को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक समीक्षा में बड़ी संख्या में ऐसे नाम सामने आए हैं, जिनकी पात्रता की पुनः जांच आवश्यक है। सरकार द्वारा लगभग 91 लाख नामों की सूची की समीक्षा की जा रही है, लेकिन बिना जांच के किसी भी व्यक्ति का नाम सूची से हटाया नहीं जाएगा।

मंत्री ने कहा कि जांच प्रक्रिया के दौरान यह देखा जाएगा कि संबंधित व्यक्ति ने किसी न्यायाधिकरण में अपील की है या नहीं, उसकी नागरिकता संबंधी स्थिति क्या है तथा कहीं लाभार्थी का निधन तो नहीं हो चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन लोगों ने नागरिकता या अन्य मामलों में वैधानिक अपील की है, उन्हें अंतिम निर्णय आने तक सरकारी सुविधाएं मिलती रहेंगी। वहीं जिन लाभार्थियों का निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं को पहले 'लक्ष्मी भंडार' योजना का लाभ मिल रहा था, उन्हें नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना में स्वतः शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त नए पात्र लाभार्थियों को भी आवेदन और अपील की प्रक्रिया के माध्यम से योजना से जोड़ा जाएगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वास्तविक जरूरतमंद महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा जाएगा और इसे अत्यंत सरल बनाया जा रहा है, ताकि कम पढ़े-लिखे लोग भी आसानी से आवेदन कर सकें।

विभागीय पोर्टल के माध्यम से लाभार्थी सीधे आवेदन अथवा अपील कर सकेंगे। यदि किसी पात्र व्यक्ति को सहायता राशि या राशन से संबंधित समस्या होती है, तो वह ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा।

## सेना छावनी क्षेत्र से संदिग्ध बांग्लादेशी युवक गिरफ्तार

**सिलीगुड़ी ।** बागडोगरा के बैंगडूबी सेना छावनी इलाके से एक संदिग्ध बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार किया गया है।

बीती रात छावनी के पास एक रेलवे बोगी में घुसने की कोशिश के दौरान सेना की क्विक रिस्पॉन्स टीम ने उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में युवक के बयान में असंगति पाए जाने पर उसे बागडोगरा पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार युवक ने अपना नाम कौशिक विश्वास बताया, लेकिन जांच में वह बांग्लादेश का नागरिक निकला है।

सेना छावनी क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद वह अंदर कैसे पहुंचा, इसकी जांच सैन्य खुफिया एजेंसियां कर रही है। आज आरोपित को रिमांड की मांग के साथ सिलीगुड़ी सब-डिविजनल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

## केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे पहुंचे ईसीएल

**सांकतोड़िया ।** भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे ने बुधवार को ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) का दौरा किया । उनके आगमन पर ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा ने कंपनी के निदेशकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया । यह दौरा कंपनी की परिचालन उपलब्धियों, प्रगतिशील पहलों तथा भविष्य की विकास रणनीति की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहा । इस दौरान उत्पादन, कोयला प्रेषण, खान सुरक्षा, परिचालन दक्षता एवं ईसीएल द्वारा संचालित सतत विकास पहलों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई ।

कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय मंत्री ने ईसीएल के कुनुस्तोरिया क्षेत्र

का भी दौरा किया । जहां ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा ने निदेशक (वित्त) मोहम्मद अंजार आलम, निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा, निदेशक (तकनीकी) गिरिश गोपीनाथन नायर, वरिष्ठ अधिकारियों, महाप्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में उनका स्वागत किया समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री सतीश चंद्र दूबे ने कोयला उत्पादन एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के मध्य संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि घोषित कोयला भंडार की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थित एवं समय-समय पर स्टॉक सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए । पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक संकट एवं विश्वभर में उभरती ऊर्जा चुनौतियों का उल्लेख करते हुए माननीय मंत्री ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा संसाधनों के उपयोग के साथ परिचालन स्थिरता बनाए रखने में ईसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। मंत्री ने कंपनी की उत्पादकता बढ़ाने एवं दीर्घकालिक विकास को गति देने हेतु महत्वपूर्ण नीतिगत मार्गदर्शन एवं रणनीतिक सुझाव भी प्रदान किए ।

## अहमदाबाद (सरखेज) — धोलेरा सेमी हाई-स्पीड रेलवे योजना को मंजूरी

**नयी दिल्ली ।** केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के अहमदाबाद जिले को शामिल करने वाली एक नई परियोजना को मंजूरी दी है । भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 134 किलोमीटर की वृद्धि होगी । इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 20,667 करोड़ रुपये है और यह 2030-31 तक पूरी हो जाएगी । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाली अहमदाबाद (सरखेज) ङ्क धोलेरा सेमी हाई-स्पीड दोहरी लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक से निर्मित भारतीय रेलवे की यह पहली सेमी हाई-स्पीड परियोजना होगी। इस परियोजना खंड से अहमदाबाद, धोलेरा एसआईआर, धोलेरा का आगामी हवाई अड्डा और लोथल राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएचएमसी) के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा। भारत की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना के रूप में यह परियोजना एक अग्रणी परियोजना के रूप में काम करेगी और देश भर में सेमी हाई-स्पीड रेल के चरणबद्ध विस्तार के लिए एक संदर्भ मॉडल के रूप में कार्य करेगी। गुजरात के अहमदाबाद जिले को शामिल करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 134 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

## पूर्व रेलवे द्वारा लिलुआ अस्पताल में नवजात शिशु पुनर्जीवन कार्यक्रम

**कोलकाता ।** पूर्व रेलवे अस्पताल, लिलुआ में एक प्रभावशाली नवजात शिशु पुनर्जीवन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एनआरपी दिवस के अवसर पर गत 10 मई 2026 को आयोजित इस कार्यशाला में पूर्व रेलवे नेटवर्क के विभिन्न केंद्रों–जमालपुर, मालदा, आसनसोल, अंडाल, कांचरापाड़ा, हावड़ा, लिलुआ और बारासात–से आए नर्सिंग कर्मियों को गहन व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह आयोजन पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी नेतृत्व तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. नटराज बी. के मार्गदर्शन में किया गया । वरिष्ठ से कनिष्ठ स्तर तक के कुल 21 नर्सिंग कर्मियों और एक विशेष तकनीशियन को दो बैचों में नवजात शिशुओं के जीवनरक्षक उपचारों का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण डॉ. शिल्पी सिद्धांत, वरिष्ठ मंडलीय चिकित्सा अधिकारी/बाल रोग विशेषज्ञ/लिलुआ रेलवे अस्पताल द्वारा संचालित किया गया। यह पहल राष्ट्रीय नवजात विज्ञान मंच (एनएनएफ) और भारतीय बाल रोग अकादमी के नेतृत्व में चलाए जा रहे एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है।

पूर्व रेलवे के अग्रिम पंक्ति के चिकित्सा कर्मचारी विश्व स्तरीय नवजात शिशु देखभाल प्रदान करने में सक्षम हों। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा, व्यापक प्रशिक्षण अभियान हमारी पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता तथा रेलवे समुदाय और उससे परे नवजात शिशुओं की जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार लाने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

## हावड़ा – पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का जमुई स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

**कोलकाता ।** रेलवे ने 15 मई से हावड़ा ङ्क पटना ङ्क हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस 22347/22348 को जमुई स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। 22347 हावड़ा ङ्क पटना वंदे भारत एक्सप्रेस (15.05.2026 से शुरू होने वाली यात्रा) जमुई स्टेशन पर 20ः05 बजे पहुंचेगी और 20ः07 बजे रवाना होगी, और 22348 पटना ङ्क हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस (15.05.2026 से शुरू होने वाली यात्रा) जमुई स्टेशन पर 09ः49 बजे पहुंचेगी और 09ः51 बजे रवाना होगी।

## केरल में चार करोड़ के नारकोटिक्स मामले में सिलीगुड़ी से दो गिरफ्तार

**सिलीगुड़ी ।** केरल में करीब चार करोड़ के नारकोटिक्स मामले में केरल पुलिस ने सिलीगुड़ी से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हिरेन केके और अरोमल के रूप में हुई है, जो केरल के निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले महीने केरल में एक बड़े ड्रग्स तस्करी रैकेट का खुलासा हुआ था। जांच के दौरान इन दोनों आरोपितों का नाम सामने आने के बाद से वे फरार चल रहे थे। उन्हें पकडऩे के लिए केरल पुलिस ने एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित कर तलाश शुरू की। तफ्तीश में पहले इनकी लोकेशन गुजरात में मिली, जहां पुलिस टीम पहुंची, लेकिन तब तक आरोपित वहां से सिलीगुड़ी पहुंच चुके थे। इसके बाद सिलीगुड़ी के सेवक रोड इलाके में छिपे होने की सूचना पर केरल पुलिस ने स्थानीय भक्ति नगर थाने की मदद से बीती रात संयुक्त अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। बुधवार को उन्हें जलपाईगुड़ी अदालत में पेश किया गया, जहां से ट्रांजिट रिमांड लेकर उन्हें वापस केरल ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## कुल्टी संत निरंकारी मिशन ने मनाया समर्पण दिवस

**कुल्टी ।** संत निरंकारी मिशन की ओर से बुधवार को कुल्टी में समर्पण दिवस के उपलक्ष में भव्य सत्संग, रक्तदान शिविर एवं विशाल लंगर का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं एवं अन्य लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया । चिकित्सकों की टीम द्वारा रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच के बाद रक्त संग्रह किया गया । इस अवसर पर संत निरंकारी मिशन की

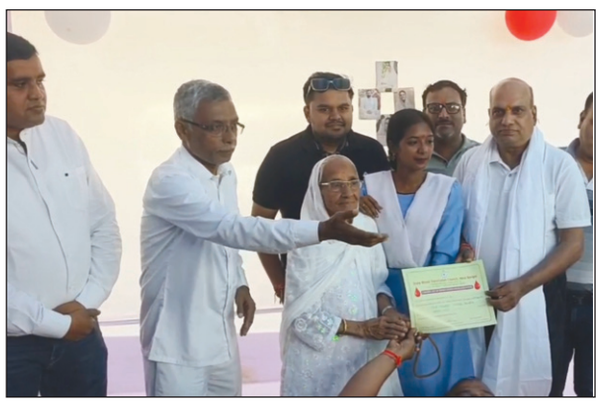

कुल्टी जोन की मुख्य गुरुचरण कौर ने कहा कि, हर स्वस्थ व्यक्ति को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्याम स्नेहा मंडल, रवींद्र पोद्दार, सोनू सर्फ, उमेश गोणिकार, बर्दवान से अखिल चंद्र कुंडू, सेल राइट्स से उज्जल मुखोपाध्याय तथा सीएमओ एवं ब्लड बैंक से संदीप मुखर्जी और आसनसोल नगर निगम के 17 नंबर वार्ड के पार्षद लालन मेहरा उपस्थित रहे ।

**सुप्रभात**

14 मई 2026, गुरुवार, वर्ष मन्मथ (2083) जैष्ठ, कृ.प., एकादशी, सूर्योदय 06:17 ,सूर्यास्त 17. 23

## आज का राशिफल

**मेष** आज का दिन आपको समझदारी का इम्तिहान देगा। खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा।

**वृषभ** आज किस्मत आपका साथ देने के मूड में है। जिस काम में हाथ डालेंगे।

**मिथुन** आज दिमाग आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

**कर्क** आज अधूरे काम पूरे करने का दिन है, नहीं तो आगे चलकर परेशानी बन सकते हैं।

**सिंह** आज आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ने वाला है। मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा।

**कन्या** आज भागदौड़ भरा दिन रहेगा। काम के चलते यात्राएं होंगी और थकान महसूस हो सकती है।

**तुला** परिवार में नए सदस्य के आने या शादी-ब्याह की तैयारियों से माहौल खुशनुमा रहेगा।

**वृश्चिक** आज का दिन खुशी और व्यस्तता दोनों साथ लाएगा। काम का दबाव थोड़ा परेशान करेगा।

**धनु** बरसात हो सकती है। आय के नए रास्ते खुलेंगे और पुराना दोस्त मिलकर दिल खुश कर देगा।

**मकर** आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिए फैसले नुकसान करा सकते हैं।

**कुंभ** आज बिजनेस में फायदा तो होगा, लेकिन कुछ तकनीकी अड़चनें परेशान कर सकती हैं।

**मीन** मेहनत पहचान बनाएगी। दोस्त से मुलाकात और परिवार के साथ समय आपको खुश रखेगा।

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

# अवैध कारखानों के करेंगे बिजली-पानी कनेक्शन

कोलकाता । तिलजला थाना क्षेत्र के तपसिया में हुए भीषण अग्निकांड के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अवैध कारखानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का फैसला किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को नवान्न में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि शहर के सभी अवैध और खतरनाक कारखानों की बिजली और पानी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि तपसिया में जिस बहुमंजिली कारखाने में आग लगी थी, वह पूरी तरह अवैध रूप से निर्मित था। भवन का कोई स्वीकृत नक्शा नहीं था और अग्निसुरक्षा के न्यूनतम मानकों का भी पालन नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि इस अवैध ढांचे को तत्काल ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को तिलजला थाना क्षेत्र में लगी आग में दो लोगों की मौत हो गई थी। मामले में संबंधित कारखाने के मालिक को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना की जांच के लिए चार विभागों की संयुक्त समिति गठित की गई थी और उसकी रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा, ÷समिति की रिपोर्ट राज्य और खासकर कोलकाता के लिए एक बड़ा खतरे का संकेत है। शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि बिजली आपूर्ति करने वाली एजेंसियों को संबंधित कारखाने का विद्युत संपर्क स्थायी रूप से काटने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, विद्युत विभाग के माध्यम से सीईएससी को आदेश दिया गया है कि कसबा, तिलजला, मोमिनपुर और एकबालपुर जैसे क्षेत्रों में संचालित अवैध कारखानों का तत्काल आंतरिक ऑडिट कर बिजली कनेक्शन समाप्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास विभाग को एक दिन के भीतर अवैध संरचना को गिराने का निर्देश दिया गया है।

यह कार्रवाई कोलकाता पुलिस की सहायता से नगर निगम द्वारा की जाएगी। इसके अलावा नगर निगम को ऐसे अवैध और खतरनाक कारखानों की जलापूर्ति भी बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार की नीति 'जीरो टॉलरेंस' की है। जो लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हैं, वे तुरंत सतर्क हो जाएं और अपने तौर-तरीके बदल लें।

## तिलजला अग्निकांड में फैक्ट्री मालिक समेत दो गिरफ्तार

कोलकाता । महानगर कोलकाता के तिलजला इलाके में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री मालिक जाफर निशाद और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी बुधवार सुबह उस समय की गई जब जांच रिपोर्ट पेश होने से पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार दोपहर तपसिया के 50/1 जीजे खान रोड स्थित एक बहुमंजिला इमारत में आग लग गई थी। मंगलवार रात करीब नौ बजे ही इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। पुलिस अब आग लगने के कारणों और सुरक्षा मानकों में लापरवाही की जांच कर रही है।

# विधानसभा की सीढ़ियों पर नतमस्तक हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को विधानसभा भवन में प्रवेश करने से पहले उसकी सीढ़ियों पर नतमस्तक होकर लोकतंत्र के मंदिर को नमन किया। उनके इस कदम की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2014 में संसद भवन की सीढ़ियों पर माथा टेकने की ऐतिहासिक तस्वीर से की जा रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी बुधवार सुबह 11 बजे से पहले विधानसभा के 18वें कार्यकाल के पहले सत्र और नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने विधानसभा पहुंचे थे। विधानसभा परिसर में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पहले सोमवार को नवान्न में मुख्यमंत्री पद संभालने के दौरान भी उन्हें इसी तरह का राजकीय सम्मान दिया गया था। गार्ड ऑफ ऑनर से पहले मुख्यमंत्री ने अपने काफिले से उतरकर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद वह मुख्यमंत्री के लिए निर्धारित कक्ष में पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना की। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले उन्होंने धार्मिक अनुष्ठान भी किया।

बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा के 18वें कार्यकाल का पहला सत्र शुरू हुआ, जिसमें हालिया चुनाव में निर्वाचित विधायक पहली बार सदन में पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और औपचारिक प्रक्रियाओं के बीच शपथ ग्रहण कार्यक्रम शुरू हुआ, जो दो दिनों तक चलेगा। सुबह ठीक 11 बजकर दो मिनट पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी प्रोटेम स्पीकर तापस राय और मंत्री दिलीप घोष के साथ विधानसभा कक्ष में पहुंचे। इसके दो मिनट बाद, 11 बजकर चार मिनट पर उन्होंने विधायक के रूप में शपथ ली। मुख्यमंत्री के बाद मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। इनमें अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक और अग्निमित्रा पाल शामिल रहे। विधानसभा के पहले दिन एक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दृश्य देखने को मिला, जब तृणमूल कांग्रेस के कई विधायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के कक्ष में उनसे मुलाकात करने पहुंचे। इसे राजनीतिक शिष्टाचार और बदलते राजनीतिक माहौल के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री से मिलने वालों में हरिहरपाड़ा से विधायक नियामत शेख, रघुनाथगंज से अखरुज्जमान और सूती से इमानी विश्वास शामिल थे। राजनीतिक हलकों में इन मुलाकातों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

## सियालदह-बनगांव रेलखंड पर व्यस्त समय में ट्रेन सेवा बाधित, यात्री परेशान

कोलकाता । बुधवार सुबह सियालदह-बनगांव रेलखंड पर ट्रेन सेवाएं अचानक बाधित हो जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दफ्तर जाने के व्यस्त समय में दमदम स्टेशन पहुंचने से पहले कई सियालदहगामी लोकल ट्रेनें एक के बाद एक खड़ी हो गईं, जिससे रेल यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, बारासात लोकल, जिसे सुबह 8ः50 बजे दमदम स्टेशन पहुंचना था, रास्ते में करीब 40 मिनट तक खड़ी रही। डाउन लाइन पर लगातार कई ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं, बनगांव-सियालदह मातृभूमि लोकल को भी दमदम कैंटोनमेंट स्टेशन से पहले रोक दिया गया। करीब 40 मिनट की देरी के बाद ट्रेनें दमदम स्टेशन पहुंचीं। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ जमा हो गई और यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कई यात्री ट्रेन से उतरकर रेल लाइन के किनारे पैदल चलते हुए आगे बढ़ते नजर आए। कुछ यात्रियों ने आरोप लगाया कि रेलवे की ओर से देरी के कारणों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। हालांकि अन्य यात्रियों का कहना था कि स्टेशनों पर घोषणा की गई थी कि प्वाइंट में तकनीकी खराबी के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई। रेलवे की ओर से फिलहाल इस घटना पर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

# आईपीएस शांतनु सिन्हा विश्वास की जानकारी मांगते हुए ईडी ने सुरक्षा निदेशालय को लिखा पत्र

कोलकाता । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता पुलिस के अधिकारी शांतनु सिन्हा विश्वास के संबंध में सुरक्षा निदेशालय को पत्र लिखकर उनकी वर्तमान स्थिति और तैनाती की जानकारी मांगी है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय जांच एजेंसी ने पत्र में पूछा है कि शांतनु इस समय कहां कार्यरत हैं और उनकी ड्यूटी कहां लगी हुई है। ईडी के एक अधिकारी के अनुसार, एजेंसी यह स्पष्ट करना चाहती है कि पुलिस अधिकारी को जांच में सहयोग करते हुए ईडी कार्यालय में उपस्थित होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ईडी ने इससे पहले भी कई बार शांतनु विश्वास को पूछताछ के लिए तलब किया था, लेकिन वह हर बार पेशी से बचते रहे। लगातार अनुपस्थित रहने के बाद अब एजेंसी ने सुरक्षा निदेशालय को औपचारिक पत्र भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य में दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले 28 अप्रैल को ईडी ने शांतनु को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तलब किया था।

बताया जा रहा है कि यह समन अपराधी सोना पप्पू से जुड़े मामले में जारी किया गया था। हालांकि, उस दिन भी पुलिस अधिकारी पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे। ईडी को आशंका है कि शांतनु सिंह विश्वास देश छोड़ सकते हैं। इसी आशंका के आधार पर एजेंसी ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है। दक्षिण

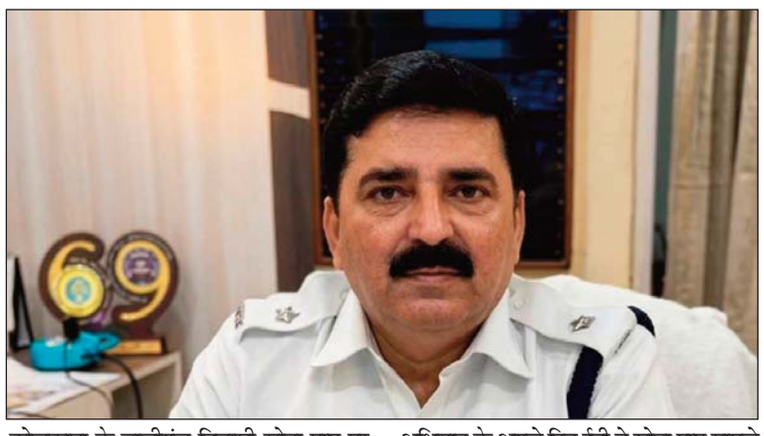

कोलकाता के बालीगंज निवासी सोना पप्पू पर जमीन कब्जाने, रंगदारी वसूली और अवैध हथियार रखने समेत कई गंभीर आरोप हैं। इन्हीं आरोपों के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। इस मामले में बेहाला के कारोबारी जय कामदार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी जांच के सिलसिले में पिछले महीने ईडी ने फर्न रोड स्थित शांतनु सिन्हा विश्वास के आवास पर छापा मारा था। सुबह से शुरू हुई कार्रवाई देर रात करीब दो बजे तक चली।

हालांकि, पूरे अभियान के दौरान शांतनु सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए। तलाशी अभियान के अगले दिन ईडी ने सोना पप्पू मामले में शांतनु और उनके दो बेटों सायंतन विश्वास तथा मनीष विश्वास को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तलब किया था। हालांकि, उनमें से कोई भी ईडी कार्यालय नहीं पहुंचा।

इसके अलावा, अप्रैल महीने में ईडी ने कालीघाट थाने के पूर्व प्रभारी रहे शांतनु सिन्हा विश्वास को बालू तस्करी मामले की जांच में भी बुलाया था। उस समय उनकी ओर से उनके वकील ईडी कार्यालय पहुंचे थे। सूत्रों के अनुसार, शांतनु ने अन्य कार्यों में व्यस्त होने का हवाला देते हुए जांच एजेंसी से अतिरिक्त समय मांगा था।

## हुमायूं कबीर ने की मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की तारीफ

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख ने बुधवार को राज्य के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि वह जनता के हित में सरकार चलाएंगे। बंगाल में भाजपा नीत सरकार बनने पर प्रतिक्रिया देते हुए हुमायूं कबीर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद मैं बेहद खुश हूं। मेरा मुख्य उद्देश्य ममता बनर्जी की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से हटाना था। बंगाल की जनता ने वह काम कर दिखाया और इसके लिए मैं राज्य की जनता को बधाई देता हूं। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने इस बार स्पष्ट रूप से राजनीतिक बदलाव के पक्ष में मतदान किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बारे में हुमायूं कबीर ने कहा कि उनके पास लंबा राजनीतिक अनुभव है।

वह पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। मुझे विश्वास है कि वह एक सक्षम सरकार चलाएंगे और आम लोगों के हित में काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई मंत्रिपरिषद में शुभेंदु अधिकारी के साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निशीथ प्रामाणिक ने भी मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, एनडीए नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। 57 वर्षीय शुभेंदु अधिकारी ने हालिया विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम और भवानीपुर–दोनों सीटों से जीत दर्ज की। भवानीपुर सीट पर उन्होंने ममता बनर्जी को 15 हजार 115 मतों के अंतर से हराया। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

## कंटीले तार लगाने को मंजूरी से सीमावर्ती इलाकों में उम्मीद के साथ आशंकाएं भी

सिलीगुड़ी। राज्य मंत्रिमंडल की पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तार (फेंसिंग) के लिए जमीन हस्तांतरण प्रक्रिया शुरू करने को मंजूरी दे दी है। इसके बाद सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के बीच घुसपैठ और तस्करी रुकने की उम्मीद जगी है, हालांकि कुछ लोग संभावित विस्थापन को लेकर चिंतित भी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि फेंसिंग के लिए जमीन देने की प्रक्रिया में कई परिवारों को हटना पड़ सकता है। लंबे समय से पुनर्वास की मांग कर रहे सदर बाजार और धनिया मोड़ इलाके के लोग अब सरकार के फैसले पर नजर बनाए हुए हैं। इस मामले में दार्जिलिंग के जिलाधिकारी हरिशंकर पनिक्कर ने आश्वासन दिया कि किसी भारतीय नागरिक को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। फूलबाड़ी के पास लालदासजोत से हसियागछ तक करीब 21 किलोमीटर लंबी इंडो- बांग्लादेश बॉर्डर का हिस्सा फांसीदेवा ब्लॉक में आता है, जिसमें लगभग साढ़े चार किलोमीटर क्षेत्र अभी भी खुला हुआ है। धनिया मोड़ में करीब ढाई किलोमीटर खुले क्षेत्र में 2024 अगस्त से अस्थायी फेंसिंग शुरू हुई थी, जबकि मुड़िखावा इलाके में भी जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इस क्षेत्र में लंबे समय से मवेशी तस्करी की शिकायतें आती रही हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भी माना कि जमीन से जुड़ी जटिलताओं के कारण काम धीमा पड़ा था, लेकिन अब समाधान की उम्मीद है। कैबिनेट बैठक में अगले 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को जरूरी जमीन सौंपने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय किसानों का कहना है कि फेंसिंग न होने के कारण फसलें अक्सर सीमा पार से आने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा नष्ट कर दी जाती थी। अस्थायी कंटीले तार लगने के बाद स्थिति में सुधार हुआ है, और स्थायी फेंसिंग से सुरक्षा और मजबूत होगी। हालांकि, इस इलाके में तस्करी रोकने के दौरान कई हिंसक घटनाएं भी सामने आई है। पिछले कुछ वर्षों में बीएसएफ की कार्रवाई में कई लोगों की मौत और घायल होने की घटनाएं हुई है। ऐसे में कई ग्रामीणों का मानना है कि फेंसिंग से न सिर्फ तस्करी रुकेगी, बल्कि जान-माल का नुकसान भी कम होगा। वहीं, कुछ लोगों का

## रानाघाट : चूर्णी पुल पर भयावह सड़क हादसे में बच्चे समेत तीन की मौत

नदिया । जिले के रानाघाट में बुधवार को सड़क हादसे में बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। घटना चूर्णी पुल पर हुई। इस हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक दंपति अपने बच्चे के साथ मोटरसाइकिल से रानाघाट से कृष्णनगर की ओर जा रहे थे। जब वे चूर्णी पुल पर पहुंचे, तभी अचानक मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया। इसी दौरान पास से गुजर रहे 16 चक्का लॉरी के नीचे मोटरसाइकिल चली गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

गंभीर रूप से घायल बच्चे को तुरंत रानाघाट महकमा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर रानाघाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। साथ ही सडक़ पर यातायात सामान्य करने की व्यवस्था की गई।

# नंदीग्राम के लोगों को अपनी कमी कभी नहीं खलने दूंगा : शुभेंदु

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को घोषणा की कि वह नंदीग्राम विधानसभा सीट छोड़ देंगे और भवानीपुर सीट से विधायक बने रहेंगे। हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में उन्होंने भवानीपुर और नंदीग्राम दोनों सीटों पर जीत दर्ज की थी। बुधवार को उन्होंने भवानीपुर से विधायक के रूप में विधानसभा में शपथ भी ली। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदीग्राम सीट पर अब उपचुनाव कराया जाएगा और वहां से कोई अन्य प्रतिनिधि विधायक चुना जाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले पांच वर्षों तक नंदीग्राम के लोगों को उनकी अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दी जाएगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि नंदीग्राम के विकास के लिए उन्होंने जो भी वादे किए हैं, उन्हें राज्य के अन्य हिस्सों की तरह पूरा किया जाएगा।

उन्होंने वर्ष 2009 से 2016 के बीच नंदीग्राम से तृणमूल कांग्रेस विधायक रहीं फिरोजा बीबी का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय वह स्वयं विधायक नहीं थे, फिर भी क्षेत्र के विकास में पूरा सहयोग दिया था। उन्होंने कहा कि इस बार भी वह नंदीग्राम के लिए उसी तरह काम करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि, हालिया विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट पर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,105 मतों से पराजित किया था। वहीं, नंदीग्राम सीट पर उन्होंने तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पवित्र कर को 9,665 मतों के अंतर से हराया।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सादगी और ईंधन बचत संबंधी अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि केवल अत्यावश्यक सुरक्षा वाहन ही काफिले में रखे जाएंगे।

# सत्ता परिवर्तन के बाद जादवपुर परिसर में संघ सक्रिय

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखा जैसी गतिविधियां देखने को मिलीं। भाजपा के सत्ता परिवर्तन के बाद परिसर में संघ की गतिविधियां शुरू होने को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षाकर्मी भी शामिल हुए। जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय परिसर में त्रिगुणा सेन ऑडिटोरियम के पास करीब एक घंटे तक दो चरणों में यह गतिविधि चली। इसमें योग, योगासन, अनुलोम-विलोम और कपालभाति जैसे अभ्यास किए गए। इसके बाद महान व्यक्तियों की जीवनी पाठ, संघ गीत और शिवाजी प्रणाम भी किया गया। अचानक इस तरह की गतिविधि देखकर परिसर में रहने वाले कुछ लोग हैरान रह गए। वेस्ट बंगाल

यूनिवर्सिटी कर्मचारी परिषद के राज्य सचिव पलाश माजी ने कहा कि यह गतिविधि अब शुरू हो गई है और आगे भी जारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि पहले भी इस मैदान में कई कार्यक्रम हुए थे, लेकिन उस समय विरोध का सामना करना पड़ा था। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दक्षिण बंगाल प्रांत के प्रचार प्रमुख बिप्लव राय ने कहा कि संघ की गतिविधियों का उद्देश्य राष्ट्रवादी विचारों का प्रसार करना और लोगों को प्रेरित करना है।

हालांकि जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम को लेकर संगठन की आधिकारिक अनुमति थी या नहीं, इसकी जानकारी ली जा रही है। वहीं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति बुद्धदेव साहा ने कहा कि उन्हें परिसर में इस प्रकार की किसी गतिविधि की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को एकजुट रखने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि संगठन के नाम पर कोई अलग तरह की गतिविधि न हो।

# मोहन बागान क्लब के पूर्व अध्यक्ष टुटू बोस का निधन

## मुख्यमंत्री शुभेंदु ने शोक जताया

कोलकाता । मोहन बागान क्लब के दिग्गज प्रशासक और पूर्व अध्यक्ष स्वपन साधन बोस उर्फ टुटू बोस का मंगलवार देरात 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लंबे समय से अस्वस्थ बोस ने दक्षिण कोलकाता के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। सोमवार शाम उन्हें हृदयाघात के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टुटू बोस के निधन पर गहरा शोक जताया है। उनके निधन से फुटबॉल जगत और विशेष रूप से कोलकाता के मैदान में शोक की लहर है। टुटू बोस को भारतीय फुटबॉल और खासकर मोहन बागान के इतिहास में एक महत्वपूर्ण प्रशासक के रूप में याद किया जाएगा। उनके कार्यकाल में क्लब ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए। सबसे चर्चित निर्णय उद्योगपति संजीव गोयनका के हाथों क्लब की मालिकाना हिस्सेदारी सौंपना रहा।इसके बाद क्लब के नाम के साथ 'एटीके' जुड़ गया। इस फैसले को लेकर उस समय काफी विवाद भी हुआ था। टुटू बोस ने मोहन बागान में विदेशी फुटबॉलरों की शुरुआत भी कराई थी। उनके प्रयास से नाइजीरियाई फुटबॉलर चिमा ओकेरी क्लब से जुड़े और वह मोहन बागान के पहले विदेशी खिलाड़ी बने। यह फैसला भारतीय फुटबॉल में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा गया। फुटबॉल प्रशासन के अलावा टुटू बोस की पहचान एक व्यवसायी, समाचार पत्र मालिक के रूप में रही। वह तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य भी रहे। पिछले वर्ष मोहन बागान दिवस समारोह में उन्हें 'मोहन बागान रत्न' सम्मान से नवाजा गया। इस कार्यक्रम में सौरव गांगुली, बाइचुंग भूटिया, आईएम विजयन, जोसे बैरेटो और सुब्रत भट्टाचार्य जैसी खेल जगत की कई हस्तियां मौजूद थीं।

# अवैध टोल प्लाजा बंद करने का आदेश, जिलाधिकारियों से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता । पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य की परिवहन व्यवस्था को लेकर बड़ा फैसला लिया है। राज्य के नए मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल के कार्यालय की ओर से मंगलवार रात एक निर्देश जारी कर राज्य भर में संचालित सभी अवैध टोल प्लाजा और टोल गेट को तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया है। यह निर्देश राज्य के सभी जिलाधिकारियों को भेजा गया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न जिलों में जहां कहीं भी अवैध टोलगेट,

ड्रॉपगेट, बैरिकेड या अवैध वसूली केंद्र संचालित हो रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द हटाना होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि भविष्य में दोबारा ऐसे अवैध टोलगेट या वसूली केंद्र स्थापित न किए जा सकें। राज्य सरकार ने जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध टोलगेट से यात्रियों या वाहन चालकों से किसी प्रकार की धनराशि की वसूली न हो। इसके अलावा सरकार ने राज्य में संचालित सभी वैध टोल प्लाजा की जानकारी भी मांगी है। निर्देश में कहा गया है कि जिलाधिकारी यह जानकारी उपलब्ध कराएं कि राज्य में कुल कितने वैध टोलगेट हैं, उनका संचालन कौन कर रहा है और संबंधित टेंडर कितने समय के लिए दिया गया है। सरकार ने अधिकृत वसूली केंद्रों की संख्या का ब्यौरा भी मांगा है। मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी जिलाधिकारियों को आगामी 15 मई, शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक विस्तृत रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है।

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

# संपादकीय

## पटना में विद्यार्थियों पर लाठी, सवालों पर खामोशी

आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है। बिहार के पटना में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान राज्य की पुलिस का जैसा रवैया सामने आया है, उसे आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत किसी मसले पर सरकार से विचार की मांग के स्वर का दमन करने की तरह देखा जा सकता है।सवाल है कि अगर नागरिकों के सामने अपनी किसी मांग के लिए आंदोलन या प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है, तो संवाद के जरिए उनकी समस्या का समाधान करने या कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी या उन्हें चुप कराने के लिए सीधे लाठी-डंडे का सहारा लिया जाएगा?हैरानी की बात है कि शिक्षक भर्ती से संबंधित प्रक्रिया में लगातार देरी और टालमटोल से परेशान विद्यार्थियों ने जब पटना में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, तो उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर लाठी चार्ज किया गया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया।अगर उन्हें रोकना भी था, तो पानी की बौछार या कोई अन्य उपाय करने के बजाय बेहरमी से उन पर लाठियां चलाना ही अकेला उपाय क्यों माना गया?राज्य की पुलिस के इस रवैये को क्या किसी भी तरह से प्रदर्शनकारियों के प्रति एक लोकतांत्रिक शासन की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? अगर नागरिकों के किसी हिस्से को सरकार से अपने अधिकार या अन्य मांग करने से इस तरह रोका जाएगा, तो उसमें नागरिक अधिकारों की क्या जगह रह जाएगी?आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है।इससे पहले भी कई बार विद्यार्थियों और अन्य नागरिक समूहों ने अलग-अलग मुद्दे पर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनकी मांगों पर विचार या बातचीत करने के बजाय उन्हें चुप करने और भगाने के लिए लाठी चार्ज का सहारा लिया गया।अफसोसनाक यह है कि बिहार में जो पार्टियां फिलहाल सत्ता में हैं, उन्होंने एक समय जनता की उपेक्षा किए जाने को ही मुद्दा बनाया था। हकीकत यह है कि आंदोलनों या प्रदर्शन के प्रति पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार का जो रवैया है, उससे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए जगह सिमट रही है।

# रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

**सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है।**

**(ललित गर्ग)**

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है।

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्सें भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं।

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल

स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुनः जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।

विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल सेवक के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं। जब नर्सों को प्रशिक्षण, संसाधन, निर्णय लेने का अधिकार और सामाजिक सम्मान मिलेगा, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज को स्वस्थ बना सकेंगी। यह दिवस हमें केवल नर्सों का सम्मान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि नर्सों के बिना कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। अस्पतालों की वास्तविक धड़कन नर्सें ही हैं। रोगियों की आंखों में लौटती चमक, परिवारों के चेहरे पर आती राहत और स्वस्थ जीवन की ओर लौटते कदमों में नर्सों की निःस्वार्थ सेवा का मौन योगदान छिपा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज नर्सों को केवल एक कर्मचारी के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें मानवता के संवेदनशील रक्षकों के रूप में पहचाने। बच्चों के जन्म से लेकर जीवन की अंतिम सांस तक नर्सें हर महत्वपूर्ण क्षण में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। वे दर्द को कम करती हैं, टूटे मन को संभालती हैं और निराशा में उम्मीद का प्रकाश जगाती हैं। सच तो यह है कि नर्सें केवल शरीर का उपचार नहीं करतीं, वे मनुष्य के भीतर जीने की इच्छा को भी जीवित रखती हैं।

आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये नर्सें बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करती है। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं बल्कि इसलिए कि वह सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मां के स्वरूप में स्नेहपूर्ण और फिक्र के साथ हर किसी की देखभाल और परवाह करने के शब्द को ही नर्स कहा जाता है। वे अस्पताल की रीड होती है। ऐसी मानवीय सेवा की अद्भुत फरिश्तों के कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही नर्सों की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी। इस अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर यही संकल्प अपेक्षित है कि हम नर्सों की सेवाओं को अधिक सम्मान, सुरक्षा और सहयोग प्रदान करें। उनके कल्याण, प्रोत्साहन और सशक्तिकरण का व्यापक चिंतन हो। जब नर्सों का जीवन अधिक सुरक्षित, संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा, तब उनकी सेवाएं और अधिक प्रभावी, संवेदनशील और मानवीय बन सकेंगी। यही इस दिवस का वास्तविक उद्देश्य और मानवता के प्रति हमारी सच्ची संवेदनशीलता होगी।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# दक्षिण से बंगाल तक विपक्ष की जमीन क्यों खिसक रही है? विंध्य के पार का किला और दलों की चुनौती

**(पी. चिदंबरम)**

पश्चिम बंगाल में मतदाता अधिकारों और एसआईआर प्रक्रिया ने लोकतंत्र पर गंभीर सवाल खड़े किए। भाजपा अब देश के बड़े हिस्से में लगभग निर्णायक राजनीतिक शक्ति बन चुकी है इन चुनावों पर एक ही दृष्टिकोण से बात करना संभव नहीं है। हर राज्य में एक अलग विमर्श उभरकर सामने आया है।विपक्षी गठबंधन के घटकों के बीच मूलभूत मतभेद हैं, लेकिन इन मतभेदों को राज्य स्तर तक ही सीमित रखना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर एकता स्थापित करनी चाहिए।

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हाल में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों से तीन राज्यों- केरलम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नाटकीय बदलाव हुए हैं। जबकि असम और पुदुचेरी में मतदाताओं ने यथास्थिति बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इन चुनावों पर एक ही दृष्टिकोण से बात करना संभव नहीं है। हर राज्य में एक अलग विमर्श उभरकर सामने आया है। केरलम का परिदृश्य सीधा एवं स्पष्ट है। यहां कई दशकों से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ बारी-बारी से राज्य की सत्ता में रहे हैं। यह सिलसिला वर्ष 2021 में तब टूटा, जब पिनरई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ दूसरी बार सत्ता में आई। कांग्रेस ने नया नेतृत्व (पीसीसी और सीएलपी) स्थापित किया और पिछले पांच वर्षों में पार्टी ने नए जोश के साथ सच्चे विपक्ष के रूप में काम किया है। इसका परिणाम स्पष्ट नजर आ रहा है। अब यूडीएफ की जिम्मेदारी है कि वह अपने शासन से ऐसे परिणाम दें, जो गठबंधन सहयोगियों को एकजुट रखे तथा धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक प्रगति, समृद्धि और संघवाद को आगे बढ़ाए।

**अप्रत्याशित परिणाम-** तमिलनाडु की कहानी जटिल है। यहां कांग्रेस और अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन से द्रमुक वर्ष 2021 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। उसने निस्संदेह दो मोर्चों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया- आर्थिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना। मगर जाहिर तौर पर मतदाताओं को प्रभावित करने वाले अन्य कारक भी थे। इनमें से एक अज्ञात कारक था अभिनेता जोसेफ विजय का चुनाव में उतरना, जिनके प्रशंसकों की संख्या, खासकर युवाओं और महिलाओं की बहुत अधिक है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही एक नई राजनीतिक हवा चलनी शुरू हो गई, मतदान की तारीख से ठीक पहले आखिरी दस दिनों में यह हवा तेज होकर तूफान में बदल गई, इसने 108 निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित किया, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ पाई।

दो साल पुरानी राजनीतिक पार्टी (टीवीके) के लिए यह एक शानदार शुरुआत थी। इसके अधिकांश उम्मीदवार अनजान चेहरे थे और कुछ ही लोगों ने प्रचार किया। हर जगह उम्मीदवार 'विजय' ही थे। विजय के कुछ छोटे भाषण, वीडियो संदेश और कई फिल्मी गाने ही 'चुनाव प्रचार' का आधार बने। इस चुनाव में टीवीके साधारण बहुमत से 11 सीट पीछे रह गई, लेकिन राष्ट्रपति शासन और दोबारा चुनाव से बचने के लिए, कांग्रेस (5), सीपीआइ (2), माकपा (2) और वीसीके (2) ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है।

पश्चिम बंगाल की कहानी सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें देश की राजनीति की दिशा बदलने की क्षमता है। यहां धर्मनिरपेक्ष दल- कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और माकपा ने पिछले दस वर्षों में मजबूत हुई भाजपा के खिलाफ अलग-अलग चुनाव लड़े। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में एसआइआर ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को मतदान से वंचित कर दिया और लोकतंत्र पर गहरा आघात हुआ। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां बेटा या बेटी मतदाता थे, लेकिन पिता या माता नहीं थे। परिवार मतदाता और गैर-मतदाता में बंट गए थे। न्यायपालिका और अस्थायी न्यायिक उपायों ने लाखों मतदाताओं को निराश किया तथा हजारों लोगों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया। एसआइआर के अलावा तीन कार्यकाल का बोझ भी तृणमूल कांग्रेस के लिए भारी साबित हुआ।

**भाजपा का दबदबा-** तृणमूल कांग्रेस की पराजय गंभीर घटनाक्रमों का संकेत देती है- भाजपा अब अकेले या गठबंधन सरकारों के माध्यम से पश्चिमी राज्यों (महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा), हिंदी पट्टी के अधिकांश हिस्सों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर), पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर में शासन कर रही है। प्रतीकात्मक रूप से कहा जाए तो विंध्य पर्वतमाला भाजपा के लिए दक्षिण भारत के पांच राज्यों में प्रवेश के रास्ते में बाधा बनी हुई है। केरलम और तमिलनाडु में प्रवेश करने के उसके अथक प्रयासों को मतदाताओं ने पूरी तरह से नकार दिया (जिसके परिणामस्वरूप भाजपा को क्रमशः तीन और एक सीटें मिलीं)। हालांकि, शेष भारत पर उसका नियंत्रण लगभग पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2024 में लोकसभा में केवल 240 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ने संसद में कई विवादास्पद विधेयक पारित किए हैं-

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025

जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय (संशोधन) अधिनियम, 2025

कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 अन्य विवादास्पद विधेयक भी आने वाले हैं, जिनमें लोकतंत्र विरोधी 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक भी शामिल है। बहुमत न होने के बावजूद भाजपा ने संसद में विवादास्पद संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया, जिसका उद्देश्य सितंबर 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को निरस्त करके पुनः लागू करना था।

# वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी

**वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।**

**(नीरज कुमार दुबे)**

भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है।

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

# तमिलनाडु में टीवीके सरकार ने हासिल किया बहुमत, 144 मत में 27 एआईएडीएमके सदस्यों का भी समर्थन

**चेन्नई, ।** तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। विजय को अपना बहुमत साबित करने के लिए 117 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी, लेकिन उन्हें सदन में 144 विधानसभा सदस्यों का समर्थन मिला। सरकार के पक्ष में एआईएडीएम के 27 सदस्यों ने भी मतदान किया। तमिलनाडु में राजनीतिक हलचल के बीच आज सुबह 9:30 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई। तमिलगा वेत्रि कड़गम पार्टी के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण था। पहली बार राज्य में चुनाव लड़ने वाली टीवीके ने राज्य में सरकार बनाई है। आज टीवीके सरकार को विधानसभा में बहुमत साबित करना। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही शुरू की। इसके बाद टीवीके की सरकार के विश्वास मत के लिए मतदान कराया गया। तमिलनाडु की टीवीके सरकार को सत्ता में बने रहने के लिए कम से कम 118 विधायकों का समर्थन चाहिए।

विश्वास मत के दौरान सरकार को 144 सदस्यों का समर्थन मिला और बहुमत हासिल कर लिया है। टीवीके सरकार के पक्ष में पार्टी के 106 के अतिरिक्त कांग्रेस के 5, विदुथलाई चिरुथैगल काची के 2, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 2, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के 2 और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के 2 विधायकों ने भी मतदान किया।

इसके साथ ही निर्दलीय विधायक कामराज ने भी सरकार को समर्थन दिया। इसके अलावा एआईएडीएमके के 27 सदस्यों ने भी सरकार के पक्ष में मतदान किया। इस प्रकार मुख्यमंत्री विजय ने सदन में बहुमत साबित कर दिया है।

# केरल में चार करोड़ के नारकोटिक्स मामले में सिलीगुड़ी से दो गिरफ्तार

**सिलीगुड़ी, ।** केरल में करीब चार करोड़ के नारकोटिक्स मामले में केरल पुलिस ने सिलीगुड़ी से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हिरेन केके और अरोमल के रूप में हुई है, जो केरल के निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले महीने केरल में एक बड़े ड्रग्स तस्करी रैकेट का खुलासा हुआ था। जांच के दौरान इन दोनों आरोपितों का नाम सामने आने के बाद से वे फरार चल रहे थे। उन्हें पकड़ने के लिए केरल पुलिस ने एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित कर तलाश शुरू की। तफ्तीश में पहले इनकी लोकेशन गुजरात में मिली, जहां पुलिस टीम पहुंची, लेकिन तब तक आरोपित वहां से सिलीगुड़ी पहुंच चुके थे। इसके बाद सिलीगुड़ी के सेवक रोड इलाके में छिपे होने की सूचना पर केरल पुलिस ने स्थानीय भक्ति नगर थाने की मदद से बीती रात संयुक्त अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

बुधवार को उन्हें जलपाईगुड़ी अदालत में पेश किया गया, जहां से ट्रांजिट रिमांड लेकर उन्हें वापस केरल ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने फखरुद्दीन अली अहमद को अर्पित की श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली, ।** देश के पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस सांसद डॉ सैयद नसीर हुसैन ने एक्स पोस्ट में उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा गया कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को उनकी जयंती पर राष्ट्रपति भवन में पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में जयंती पर विनम्र अभिवादन किया। वहीं, कांग्रेस सांसद डॉ सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि फखरुद्दीन अली अहमद का राष्ट्र के प्रति समर्पण और संवैधानिक मूल्यों व लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि फखरुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति थे। उनका जन्म 13 मई 1905 को दिल्ली में हुआ था और निधन 11 फरवरी 1977 को कार्यकाल के दौरान ही नई दिल्ली में हुआ। वह पेशे से वकील थे और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई थी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। जवाहरलाल नेहरू के करीबी सहयोगी रहे अहमद ने असम से राजनीति की शुरुआत की और कई बार सांसद चुने गए। उन्होंने केंद्र सरकार में शिक्षा, सिंचाई एवं ऊर्जा, उद्योग और कृषि जैसे मंत्रालयों का दायित्व संभाला।

वह 1974 से 1977 तक राष्ट्रपति रहे और उनके कार्यकाल में ही 1975 में आपातकाल लागू हुआ था।

वह भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ। उनके योगदान को मान्यता देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने 1976 में फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल समिति गठित की, जो आज भी उर्दू, अरबी और फारसी के विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और छात्रवृत्ति प्रदान करती है। समिति पीएचडी और डी.लिट. शोधार्थियों को उर्दू साहित्य और भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए वित्तीय सहायता भी देती है।

## अमित शाह 16-17 मई को गुजरात दौरे पर, अहमदाबाद और गांधीनगर में कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

**अहमदाबाद, ।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। वह 16-17 मई को अहमदाबाद और गांधीनगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वह अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के नवनिर्वाचित पार्षदों से मुलाकात करेंगे। गांधीनगर महानगर पालिका के जन सम्पर्क अधिकारी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम की पुष्टि की है। अमित शाह अहमदाबाद और गांधीनगर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के लिए निगम अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। 16 मई को शाह अहमदाबाद के दक्षिण-पश्चिम जोन कार्यालय में गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में करोड़ों रुपये के विकास कार्य, तालाबों के इंटरलिंकिंग प्रोजेक्ट, मानसून के दौरान ÷मिशन 5 मिलियन ट्री÷ अभियान समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अधिकारियों के साथ चर्चा होगी।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह 17 मई को मधुर डेयरी के नए मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। डेयरी के चेयरमैन डॉ शंकर सिंह राणा के अनुसार 17 मई को केंद्रीय मंत्री गांधीनगर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी मंडली द्वारा संचालित मधुर डेयरी के नए मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। चिलोड़ा के निकट दशेला गांव के पास बने इस नए प्लांट का उद्घाटन करने के बाद वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम दोपहर एक बजे आयोजित किया गया है। गृह मंत्री पूरे मिल्क प्लांट का निरीक्षण भी करेंगे।

## नितिन गडकरी पुणे में बस से करेंगे परियोजनाओं का निरीक्षण

**नई दिल्ली, ।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 14-15 मई को संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान बस यात्रा करेंगे। इस यात्रा में अधिकारी, पत्रकार और सुरक्षा कर्मी भी बस से उनके साथ सफर करेंगे।

गडकरी ने आधिकारिक पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार ईंधन की खपत कम करना राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के हित में आवश्यक है।

बस से यात्रा करने से न केवल ईंधन की बचत होगी बल्कि यातायात प्रबंधन और जनसुविधा भी बेहतर होगी।

इसी कारण उन्होंने दौरे के दौरान सुरक्षा काफिले में तैनात वाहनों की संख्या सामान्य तैनाती की तुलना में 50 प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया है। पत्र में पुणे शहर के पुलिस आयुक्त, पुणे, सतारा और सोलापुर के जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भी इसकी प्रति भेजी गई है।

उन्होंने पत्र में कहा कि इस निर्णय को लागू करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

## ईंधन बचत के लिए हिमाचल के राज्यपाल ने काफिला आधा किया, हेलिकॉप्टर इस्तेमाल बंद

**शिमला, ।** पश्चिम एशिया में जारी तनाव और बढ़ती वैश्विक ईंधन चुनौतियों के बीच हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने ईंधन बचत को लेकर कई बड़े फैसलों का ऐलान किया है। राज्यपाल ने अपने सरकारी काफिले में शामिल वाहनों की संख्या आधी करने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट खत्म होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की कीमतों में स्थिरता आने तक वह सरकारी हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

राज्यपाल ने बुधवार को लोक भवन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और आत्मनिर्भरता की अपील को ध्यान में रखते हुए लोक भवन में ईंधन संरक्षण को लेकर विशेष कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने लोक भवन को ÷फ्यूल कंजर्वेशन जोन÷ घोषित करते हुए कहा कि अब हर रविवार को यहां किसी भी सरकारी वाहन में पेट्रोल या डीजल का इस्तेमाल नहीं होगा। रविवार के दिन अधिकतर सरकारी काम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या सीमित संयुक्त यात्रा व्यवस्था के जरिए किए जाएंगे।

राज्यपाल ने कहा कि गैर-जरूरी बैठकों को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा ताकि अनावश्यक यात्रा और ईंधन खर्च को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि जब देश के लोगों से ईंधन बचाने की अपील की जा रही है, तब सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसी सोच के तहत उन्होंने अपने सरकारी काफिले को छोटा करने और हेलिकॉप्टर का उपयोग बंद करने का फैसला लिया है।

राज्यपाल ने लोगों से भी कारपूलिंग अपनाने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने और छोटी दूरी के लिए पैदल चलने या साइकिल का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईंधन बचत केवल आर्थिक जरूरत नहीं बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।

राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते राज्यपाल ने सभी कुलपतियों से भी परिसरों में ऊर्जा और ईंधन संरक्षण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने छात्रों और युवाओं से इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश हमेशा राष्ट्रीय हित के मुद्दों में आगे रहा है और आगे भी अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।

## ब्रिक्स बैठक के लिए उज्बेकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान के नेता पहुंचे दिल्ली

**नई दिल्ली, ।** ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की 14-15 मई को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए उज्बेकिस्तान के उप विदेश मंत्री अलोएव बखरोमजोन जोराबोएविच, ईरान के उप विदेश मंत्री डॉ. काजेम गरीबाबादी, कजाकिस्तान के प्रथम उप विदेश मंत्री येरजहान अशिकबायेव और नाइजीरिया के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव डुनोमा उमर अहमद बुधवार को यहां पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अलग-अलग एक्स पोस्ट में इन अधिकारियों के आगमन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने ईरान के उप विदेश मंत्री डॉ. काजेम गरीबाबादी से द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की।

उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान और नाइजीरिया के अधिकारियों का भी यहां आगमन पर स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि ये सभी नेता ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की 14-15 मई को नई दिल्ली में होने वाली दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत आए हैं। बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर करेंगे। इसमें ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथोपिया और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे। इसमें चीन का शेरपा प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा।

बैठक के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्री आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के तहत 14 मई को दोपहर एक बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 'सेवा तीर्थ' में सभी विदेश मंत्रियों की संयुक्त मुलाकात होगी। इसके बाद 3 बजकर 10 मिनट पर दूसरे सत्र की शुरुआत होगी और शाम 7 बजे भारत मंडपम में डॉ जयशंकर की ओर से रात्रिभोज का आयोजन होगा। अगले दिन 15 मई को सुबह 10 बजे तीसरे सत्र की शुरुआत होगी।

## तमिलनाडु के तिरुपुर में सड़क हादसा, पुलिसकर्मी समेत छह की मौत

**तिरुपुर (तमिलनाडु),।** तिरुप्पुर जिले के वेल्लाकोविल-करूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस चेक पोस्ट के पास आज तड़के सड़क हादसे में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी समेत 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि सड़क के डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को पुलिसकर्मी रविचंद्रन हटा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार एक कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और ट्रक से

टकरा गई। हादसे में पुलिसकर्मी रविचंद्रन , ट्रक चालक और कार में सवार चार लोगों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। सभी के शव सरकारी अस्पताल भेजे गए हैं। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। वेल्लाकोविल पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## तमिलनाडु सरकार ने ज्योतिषी रिकी रतन पंडित वेत्रिवेल की नियुक्ति रद्द की

**चेन्नई, ।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के राजनीतिक सलाहकार के रूप में राज्य सरकार द्वारा विशेष अधिकारी नियुक्त किए गए रिकी रतन पंडित वेत्रिवेल के भारी विरोध के बाद उनकी नियुक्ति रद्द कर दी गई है।

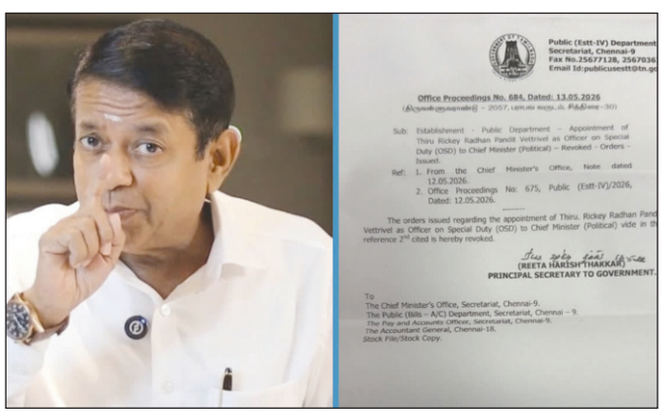

Public (Estt-IV) Department
Secretariat, Chennai-9
Fax No.25677128, 25670360
Email Id:publicsestt@tn.gov.in

Office Proceedings No. 684, Dated: 13.05.2026

Sub: Establishment – Public Department – Appointment of Thiru Rickey Radhan Pandit Vettrivel as Officer on Special Duty (OSD) to Chief Minister (Political) – Revoked - Orders - Issued.

Ref: 1. From the Chief Minister's Office, Note dated 12.05.2026.
2. Office Proceedings No: 675, Public (Estt-IV)/2026, Dated: 12.05.2026.

The orders issued regarding the appointment of Thiru. Rickey Radhan Pandit Vettrivel as Officer on Special Duty (OSD) to Chief Minister (Political) vide in the reference 2nd cited is hereby revoked.

(REETA HARISH THAKKAR)
PRINCIPAL SECRETARY TO GOVERNMENT.

To
The Chief Minister's Office, Secretariat, Chennai-9.
The Public (Bills – A/C) Department, Secretariat, Chennai – 9.
The Pay and Accounts Officer, Secretariat, Chennai-9.
The Accountant General, Chennai-18.
Stock File/Stock Copy.

मुख्यमंत्री विजय के निजी ज्योतिषी माने जाने वाले रिकी रतन पंडित वेत्रिवेल को हाल ही में तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) ने पार्टी प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया था।

इसके बाद विजय के मुख्यमंत्री पद संभालने के पश्चात तमिलनाडु सरकार ने उन्हें मुख्यमंत्री के राजनीतिक प्रभाग में विशेष अधिकारी के रूप में नियुक्त किया। इस नियुक्ति का टीवीके सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और विदुथलाई चिरुथैगल काची सहित कई दलों ने कड़ा विरोध किया।

आज विधानसभा में हुए विश्वास मत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भी डीएमडीके, वीसीके, कम्युनिस्ट दलों, मानवतावादी जनता पार्टी और मानवतावादी लोकतांत्रिक पार्टी समेत कई दलों ने सरकारी पद पर ज्योतिषी की नियुक्ति का विरोध जताया।

डीएमडीके विधायक प्रेमलता विजयकांत ने तीखी आपत्ति दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री विजय से सीधे सवाल करते हुए उनसे पूछा कि उनके ज्योतिषी को सरकारी पद क्यों दिया गया।

इसी बीच तमिलनाडु सरकार ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में रिकी रतन पंडित की नियुक्ति वापस ली जा रही है।

उधर, रिकी रतन पंडित की नियुक्ति के खिलाफ तिरुवल्लूर जिले के कीलानूर की अधिवक्ता आर. रति ने मुख्यमंत्री विजय और तमिलनाडु सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव को कानूनी नोटिस भेजा है।


**पूर्व रेलवे**

**निविदा सं. : एलआरडब्ल्यू-4-वीबी-पेंटिंग - 2026, दिनांक 11.05.2026,** उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (एलएचबी), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निविदा सं. **एलआरडब्ल्यू-4-वीबी-पेंटिंग-2026** के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** पेंट स्पेसिफिकेशन आईसीएफ/एमडी/ एसपीईसी-362 या नवीनतम के अनुसार वंदे भारत कोचों (सभी प्रकार के) को खुरचने और सफाई के साथ आउटसाइड बॉडी पैनल, रूफ, एंड पैनल, अंडरफ्रेम की पेंटिंग और साइन राइटिंग कार्य (ड्रॉइंग के अनुसार) की आपूर्ति और अनुप्रयोग। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 2,17,48,869/-, **बयाना राशि:** रु. 4,35,000/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **बोली प्रणाली :** एकल पैकेट प्रणाली। **समापन अवधि:** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** 09.05.2026 को 13.34 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 16.05.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 30.05.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

MISC-39/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter



Nagaland State Lotteries
**DEAR**
SPARK WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:28 **Price ₹7/-** Draw Date on:13/05/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **60A 89095**
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **89095**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
16562 20041 21522 28868 39396
62904 64653 83366 91768 98842
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0645 1591 2330 4887 4936 5660 6066 7351 9069 9756
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
1450 3002 3066 3077 3144 3192 5515 6668 8643 9549
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0366 1360 2246 3877 4634 5148 5938 7361 8034 9117
0535 1363 2582 3910 4682 5193 6140 7395 8051 9246
0545 1562 2659 4080 4719 5227 6150 7436 8091 9308
0652 1743 2665 4102 4725 5429 6367 7487 8289 9415
0737 1872 2788 4131 4740 5432 6580 7492 8507 9541
0740 1890 2826 4139 4855 5469 6591 7595 8512 9584
0833 1900 2884 4167 4890 5485 6608 7740 8648 9622
0854 1942 3036 4213 4923 5625 7076 7795 8653 9779
1163 2129 3271 4494 4996 5733 7107 7823 8695 9873
1299 2145 3576 4569 5029 5738 7297 7946 9083 9940

01:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : YouTube
nagalandlotteries.com/livedraw



Sikkim State Lotteries
**DEAR**
REGAL WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:32 **Price ₹7/-** Draw Date on : 13/05/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **86C 39649**
SOLD BY : SELLER - RUHIDAS DAS - BALAGARH & SUB-STOCKIST - MAHAPRABHU LOTTERY CENTER - BALAGARH
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **39649**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
11873 26529 37332 41816 48410
50380 53063 55052 57901 69536
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0408 1925 2633 4434 5336 6202 7079 7860 9207 9286
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0109 0306 0710 2247 2519 2743 3055 3196 8368 8948
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0098 1683 2582 2992 4479 5530 6220 7210 7992 9127
0418 1687 2625 3326 4494 5572 6270 7309 8106 9172
0537 1742 2673 3462 4613 5683 6287 7584 8122 9355
0751 1766 2734 3522 4897 5700 6522 7687 8154 9410
0886 1876 2794 3552 4944 5808 6766 7705 8222 9542
0902 2033 2824 3563 5014 5910 6828 7739 8878 9605
0984 2058 2895 3732 5164 6039 6853 7801 8932 9611
1027 2234 2917 4002 5365 6131 7033 7830 8975 9631
1111 2286 2955 4219 5409 6175 7034 7863 8988 9651
1621 2492 2965 4423 5516 6216 7152 7928 9009 9950

06:00 PM

Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok
Watch Live Draw On : YouTube
sikkimlotteries.com/livedraw



Nagaland State Lotteries
**DEAR**
DREAM WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:28 **Price ₹7/-** Draw Date on: 13/05/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **65C 90864**
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **90864**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
11283 28532 33901 57979 59549
60102 61782 66000 81616 88608
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0021 2116 2521 4933 5956 7122 7635 7947 8079 9689
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0505 0794 1312 2182 4230 4455 5199 5774 6284 7337
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0015 1158 2610 3526 4622 5734 6670 7367 8603 9065
0227 1353 2718 3692 4929 5751 6789 7459 8617 9081
0234 1411 2860 3747 4953 5968 6849 7476 8662 9107
0441 1506 2938 3966 5005 5974 6954 7718 8748 9208
0455 1512 3050 4006 5069 5993 6997 7723 8820 9337
0690 1789 3088 4009 5082 6060 7025 7837 8870 9500
0960 1998 3108 4073 5116 6072 7028 8125 8871 9542
1004 2264 3120 4451 5165 6140 7172 8553 8907 9716
1075 2389 3133 4515 5284 6359 7245 8557 9015 9826
1131 2511 3449 4519 5732 6577 7295 8591 9036 9832

08:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : YouTube
nagalandlotteries.com/livedraw

* TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

# राज्य में जिला परिषद और निगमों के टोल टैक्स बंद

**आसनसोल ।** राज्य सरकार के निर्देश के बाद फिलहाल जिला परिषद और म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के अधीन संचालित सभी टोल टैक्स की वसूली सरकारी तौर पर बंद कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में केवल वैध दस्तावेज और आवश्यक अनुमति मिलने के बाद ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत दोबारा टोल संचालन की अनुमति दी जाएगी । सरकार के इस फैसले के बाद आम लोगों और वाहन चालकों में राहत और खुशी का माहौल देखा जा रहा है। खासकर अंतरराज्यीय मार्गों पर चलने वाले ट्रक और छोटे वाहन चालकों ने इसे राहत भरा कदम बताया है। उनका कहना है कि टोल बंद होने से अनावश्यक आर्थिक बोझ और परेशानियों से राहत मिली है। राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद से रूपनारायणपुर स्थित बंगाल-झारखंड सीमा के टोल प्लाजा को लेकर लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई थी।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार कुछ लोग टोल प्लाजा पहुंचकर हंगामा और अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद प्रशासन ने एहतियातन रूपनारायणपुर टोल प्लाजा को पूरी तरह बंद कर दिया।

**रूपनारायणपुर में अवैध वसूली रोकने को प्रशासन सख्त**

हालांकि टोल प्लाजा आधिकारिक रूप से बंद होने के बावजूद आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व बीच-बीच में वाहनों को रोककर अवैध रूप से पैसे वसूलने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर इलाके में फिर से तनाव का माहौल बन गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बाराबनी के विधायक ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जबरन वसूली या दबंगई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विधायक ने कहा, ह्लइस मामले की जानकारी पुलिस और प्रशासन को दे दी गई है। जब तक नई और पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक रूपनारायणपुर टोल प्लाजा पूरी तरह बंद रहेगा।ह्व उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से पैसे वसूलने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इधर प्रशासन की ओर से रूपनारायणपुर सीमा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। अवैध वसूली की शिकायतों को देखते हुए पुलिस गश्त तेज कर दी गई है। फिलहाल इलाके में यातायात सामान्य बताया जा रहा है, लेकिन प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

# आसनसोल बस स्टैंड में कट मनी पर बवाल

**आसनसोल ।** पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद आसनसोल बस स्टैंड में वर्षों से चल रही कथित ह्लडेवलपमेंट फीसह्व और ह्लकट मनीह्व वसूली को लेकर विवाद तेज हो गया है। भाजपा नेताओं, श्रमिक संगठनों और बस चालकों ने इस पूरे मामले की पारदर्शी जांच की मांग उठाई है। आरोप है कि पिछले करीब 15 वर्षों से बसों से प्रतिदिन 10 से 20 रुपये तक ह्लडेवलपमेंट फीसह्व के नाम पर वसूली की जाती रही, लेकिन इसके बदले बस स्टैंड में यात्रियों और चालकों को कोई ठोस सुविधा नहीं मिली। भाजपा नेताओं का कहना है कि बस स्टैंड के विकास के नाम पर लाखों रुपये की वसूली हुई, लेकिन उसका हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया। अब भाजपा कार्यकताओं ने इस कथित अवैध वसूली को बंद कराने की पहल शुरू कर दी है। भाजपा नेता नीलू हाजरा ने कहा कि आसनसोल बस स्टैंड से प्रतिदिन सैकड़ों बसों का संचालन होता है और वर्षों से उनसे ह्लडेवलपमेंट फीसह्व वसूली जाती रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि यह राशि नगर निगम के खाते में जमा हुई है तो उसका पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। इस विवाद ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब तृणमूल श्रमिक नेता राजू अहलूवालिया ने वर्ष 2014 में तत्कालीन मेयर और पूर्व विधायक तापस बनर्जी द्वारा दक्षिण थाना प्रभारी को भेजे गए एक पुराने पत्र का हवाला देते हुए गंभीर आरोप लगाए।

**डेवलपमेंट फीस वसूली पर उठा बड़ा सवाल**

पत्र के अनुसार, इस्माइल क्षेत्र निवासी अशिम मित्रा उर्फ ह्लबच्चूह्व को बस एसोसिएशन की सिफारिश पर प्रति बस 5 रुपये ह्लडेवलपमेंट फीसह्व वसूलने की अनुमति दी गई थी। आरोप है कि अगस्त 2009 से फरवरी 2014 तक लगभग 26 लाख 40 हजार रुपये वसूले गए, लेकिन नगर निगम के खाते में केवल 8 लाख 39 हजार 350 रुपये ही जमा हुए। उस समय नगर निगम की ओर से करीब 18 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा नहीं होने का दावा करते हुए पुलिस कार्रवाई की मांग की गई थी।राजू अहलूवालिया ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आसनसोल नगर निगम से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। उन्होंने जानना चाहा है कि किस नियम के तहत निजी व्यक्ति को वसूली की अनुमति दी गई, कुल कितनी राशि वसूली गई, निगम में कितनी राशि जमा हुई, कितनी रकम अब भी बकाया है और क्या वसूली के दौरान आधिकारिक रसीद दी जाती थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम बिना पारदर्शी प्रक्रिया के अपने करीबी लोगों को टेंडर देता रहा, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला।आसनसोल उत्तर के भाजपा विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि यदि नगर निगम के नाम पर अवैध वसूली की गई है तो पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# रानीगंज सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद प्रदर्शन

रानीगंज । रानीगंज के सीआरसोल मोड़ इलाके में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार गौतम भगत की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, करीब 50 वर्षीय गौतम भगत साइकिल से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद वाहन उन्हें काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। मृतक रानीगंज के सालडांगा इलाके के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने पंजाबी मोड़ चौकी का घेराव कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग की। घटनास्थल पर पहुंचे भाजपा नेता शमशेर सिंह ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि गौतम भगत अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे और उनके परिवार में तीन बेटियां हैं। ऐसे में प्रशासन को तुरंत आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा देना चाहिए। वहीं अधिवक्ता और स्थानीय निवासी श्याम कुमार पासी ने भी घटना पर दुख जताते हुए दोषी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देने की मांग की।

# पूर्व पार्षद के घर समीप मिले आधार कार्डों से जामुड़िया में हड़कंप

**जामुड़िया।** बुधवार को आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या-1 अंतर्गत जामुड़िया के नंडी ग्राम क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक पूर्व पार्षद के घर के सामने भारी संख्या में लावारिस आधार कार्ड पड़े मिले। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे बिखरे इन कार्डों को देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी दस्तावेजों को अपने कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ कर दी।

घटना की जानकारी फैलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय नागरिकों के बीच इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई कि आखिर इतने आधार कार्ड एक साथ वहां कैसे पहुंचे और इन्हें किस उद्देश्य से रखा गया था। लोगों ने आशंका जताई कि इन दस्तावेजों का गलत उपयोग किया जा सकता था। कई नागरिकों ने मामले की गंभीर जांच की मांग की है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा आधार कार्डों को एकत्र कर सुरक्षित जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ये कार्ड असली हैं या नहीं तथा किन लोगों के नाम पर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इन्हें वहां किसने और क्यों फेंका।

घटना को लेकर राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है। भाजपा नेता निरंजन सिंह ने मामले को गंभीर बताते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार और कथित अनियमितताओं की ओर संकेत करती है। भाजपा नेता ने आशंका जताई कि आधार कार्डों का उपयोग चुनावी प्रक्रिया या सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी करने के लिए किया जा सकता था।

उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि इसके पीछे शामिल लोगों की पहचान हो सके। भाजपा नेताओं का कहना है कि यदि समय रहते यह मामला सामने नहीं आता, तो इन दस्तावेजों का दुरुपयोग संभव था।

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। दूसरी ओर स्थानीय लोग प्रशासन से अपेक्षा कर रहे हैं कि मामले की पारदर्शी जांच कर सच्चाई को सार्वजनिक किया जाए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है तथा आवश्यक होने पर संबंधित विभागों से भी संपर्क किया जाएगा। फिलहाल इस घटना ने जामुड़िया क्षेत्र में सुरक्षा और दस्तावेजों के दुरुपयोग को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है।

# चांच विक्टोरिया कोलियरी में जनता मजदूर संघ का धरना

**चांच ।** बीसीसीएल की चांच विक्टोरिया कोलियरी कार्यालय के समक्ष बुधवार को जनता मजदूर संघ की ओर से जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संगठन के बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता और श्रमिक मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। धरने को संबोधित करते हुए संगठन के नेताओं ने कहा कि कोलियरी क्षेत्र में कई गंभीर समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आउटसोर्सिंग व्यवस्था के कारण स्थायी कर्मचारियों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनका कहना था कि प्रबंधन मजदूरों और गरीब जनता के हितों की अनदेखी कर कुछ ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने में लगा हुआ है। प्रदर्शन के दौरान कोयला चोरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

# रानीगंज में दिनदहाड़े व्यवसायी से डेढ़ लाख की ठगी

रानीगंज । खनन नगरी रानीगंज में बुधवार को दिनदहाड़े एक बेहद शातिर ठगी की घटना सामने आई है। पुरुलिया से बाजार करने आए 58 वर्षीय एक व्यवसायी को बदमाशों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर निशाना बनाया और बैग की तलाशी लेने के बहाने करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार दोपहर करीब 12:05 बजे आसनसोल-दुगार्पुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत रानीगंज थाना क्षेत्र के रानीगंज बाजार स्थित एतवारी मोड़ के पास हुई। बताया जा रहा है कि व्यवसायी बाजार में खरीदारी के लिए आए थे। इसी दौरान कुछ युवक उनके पास पहुंचे और खुद को पुलिस से जुड़ा बताते हुए पूछताछ शुरू कर दी। बदमाशों ने व्यवसायी से कहा कि इलाके में जांच अभियान चल रहा है और सुरक्षा कारणों से उनके बैग की तलाशी लेनी होगी। व्यवसायी के विश्वास में आते ही आरोपियों ने बेहद चालाकी से बैग में रखी नकदी निकाल ली और मौके से फरार हो गए। कुछ देर बाद व्यवसायी को ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही रानीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में नाकेबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस की विशेष निगरानी टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है तथा सभी थानों को आरोपियों का हुलिया भेजा गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। घटना के बाद बाजार क्षेत्र के व्यवसायियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

**पुलिस बनकर आए बदमाश फरार**

# भाजपा नेता ने कार्यकताओं को चेताया

**आसनसोल ।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बुधवार को आसनसोल बाजार स्थित भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर पार्टी कार्यकताओं को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनी है और पार्टी राज्य में सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल से जुड़े कुछ अवसरवादी लोग अब भाजपा में शामिल होकर पार्टी को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। शंकर चौधरी ने कार्यकताओं से ऐसे लोगों से सावधान रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी और प्रशासन इस दिशा में पूरी तरह सक्रिय है।

# एबीवीपी के दो गुटों में बवाल, कॉलेज कैंपस में बढ़ा तनाव

**आसनसोल ।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े दो गुटों के बीच कॉलेज कैंपस में विवाद और हाथापाई की घटना सामने आने के बाद माहौल गरमा गया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे कॉलेज परिसर में तनाव की स्थिति बन गई है। एक गुट का आरोप है कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तृणमूल छात्र परिषद से जुड़े कुछ युवक खुद को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्य बताकर कॉलेज कैंपस में सक्रिय हो गए हैं। आरोप है कि ये युवक बाहरी लोगों को कॉलेज परिसर में बुलाकर सिगरेट पीने, गुटखा खाने और छात्राओं के साथ छेड़खानी जैसी घटनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। विरोध करने वाले छात्रों के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। वहीं दूसरे गुट ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीतिक साजिश बताया है। उनका कहना है कि वे किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं, बल्कि सामान्य छात्र हैं जो लंबे समय से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का समर्थन करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि कॉलेज परिसर में अनुशासनहीनता फैलाने का काम कुछ वरिष्ठ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता ही कर रहे हैं और उन्हें बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। घटना के बाद कॉलेज परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। छात्र-छात्राओं के बीच बढ़ते विवाद को देखते हुए कॉलेज प्रशासन और स्थानीय प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है।

# आसनसोल में बिचाली से लदा ओवरलोडेड ट्रक पलटा, हादसा टला

आसनसोल । आसनसोल के भगत पाड़ा इलाके में पेट्रोल पंप के समीप बुधवार को बिचाली (पराली) से लदा एक ओवरलोडेड ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लंबा जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक बांकुड़ा से बर्नपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन भगत पाड़ा स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, अचानक संतुलन बिगड़ने से ट्रक पलट गया। ट्रक के पलटते ही सड़क पर बिचाली फैल गई, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाद में यातायात को सामान्य करने का प्रयास किया गया। घटना के बाद चालक से जब ट्रक में अधिक मात्रा में बिचाली लादने को लेकर सवाल किया गया, तो वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में लगातार ओवरलोडेड वाहनों का आवागमन होता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नॉर्थ मंडल-2 के महासचिव विपिन पासवान ने कहा कि ट्रक के ओवरलोडेड होने की वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन सड़क जाम होने से आम लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। उन्होंने बताया कि यह सड़क अस्पताल जाने का मुख्य मार्ग है और इस तरह की घटनाएं भविष्य में गंभीर समस्या का कारण बन सकती हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती शासनकाल में ओवरलोडेड वाहनों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं होने के कारण वाहन चालकों में लापरवाही की प्रवृत्ति बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अब इस तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# हटन रोड पर चलेगा निगम का बुलडोजर, अवैध अतिक्रमण हटाने की तैयारी तेज

**आसनसोल।** शहर को जाम और अव्यवस्था से मुक्त कराने की दिशा में आसनसोल नगर निगम ने एक बार फिर बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को निगम प्रशासन की ओर से घोषणा की गई कि आगामी 16 मई, शनिवार को हटन रोड क्षेत्र में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। अभियान की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में हलचल तेज हो गई है। निगम प्रशासन ने माइकिंग कर सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को तत्काल हटाने की चेतावनी दी है।

नगर निगम की घोषणा के बाद हटन रोड, बस्तिन बाजार और आसपास के व्यावसायिक क्षेत्रों में। दुकानदारों के बीच बेचैनी देखी गई। कई व्यवसायियों ने स्वयं ही दुकानों के बाहर बने अस्थायी ढांचे, टीन शेड, बांस-बल्लियां और फुटपाथ तक फैले सामान हटाने शुरू कर दिए। कुछ दुकानदारों ने इसे प्रशासन की सख्ती बताया, जबकि कई लोगों ने उम्मीद जताई कि यदि अभियान निष्पक्ष रूप से चला तो शहर को जाम और अव्यवस्था से राहत मिलेगी।

निगम सूत्रों के अनुसार इस विशेष अभियान में नगर निगम के साथ पुलिस प्रशासन तथा अन्य संबंधित विभाग भी मौजूद रहेंगे। संयुक्त कार्रवाई के तहत सड़क, नाली और फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि हटन रोड शहर का अत्यंत व्यस्त इलाका है, जहां अतिक्रमण के कारण आए दिन यातायात बाधित होता है। राहगीरों को पैदल चलने तक में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए यह अभियान आवश्यक माना जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से सड़क के दोनों किनारों पर अवैध निर्माण और फुटपाथों पर फैलते कारोबार के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। विशेषकर सुबह और शाम के समय लंबा जाम लगने से आम नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। नागरिकों का मानना है कि यदि प्रशासन निरंतर निगरानी रखे तो स्थिति में स्थायी सुधार संभव है।हालांकि यह पहला अवसर नहीं है जब हटन रोड में अतिक्रमण हटाने की तैयारी की गई हो। इससे पहले भी कई बार अभियान की घोषणा हुई, लेकिन विभिन्न कारणों से कार्रवाई अधूरी रह गई। वर्ष 2023 में भी शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की योजना बनाई गई थी, परंतु हटन रोड क्षेत्र में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। बाद में चुनावी व्यस्तताओं और प्रशासनिक कारणों से अभियान टलता रहा। वर्ष 2025 में भी मशीनें और श्रमिक तैयार होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो सकी थी।

इस बार नगर निगम की सक्रियता और लगातार की जा रही माइकिंग को देखकर लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन अभियान को गंभीरता से पूरा करेगा। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा गया है कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लें, ताकि कठोर कार्रवाई की आवश्यकता न पड़े।

शहरवासियों की निगाहें अब 16 मई को प्रस्तावित इस अभियान पर टिकी हुई हैं। यदि कार्रवाई प्रभावी रही तो हटन रोड क्षेत्र को लंबे समय बाद यातायात अव्यवस्था और अतिक्रमण से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

## संक्षिप्त समाचार

### निजी स्कूलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बड़े नीतिगत बदलावों का ऐलान

**पटना,एजेंसी।** बिहार के वर्तमान सरकार ने राज्य के लाखों अभिभावकों को बड़ी राहत देते हुए निजी स्कूलों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया है कि अब प्रदेश के निजी स्कूलों में मनमानी नहीं चलेगी। शिक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक व्यापक कार्ययोजना की घोषणा की है, जिसका उल्लंघन करने पर स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। निजी स्कूलों पर सम्राट चौधरी का प्रहार : सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि निजी स्कूलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की पहल की गई है। प्रदेश के निजी स्कूलों में मनमानी रोकने, फीस को नियंत्रित करने और छात्रों व अभिभावकों के हितों की रक्षा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब नए आदेश के बाद नीजि स्कूलों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट में फीस का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। इससे पिछले साल की तुलना में वर्तमान साल की फीस का स्पष्ट अंतर दिखाना अनिवार्य है, ताकि अभिभावकों को हर मद में ली जा रही राशि की सही जानकारी मिल सके। सम्राट चौधरी ने साफ लहजे में कहा कि आदेशों का उल्लंन करने वाले संस्थानों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। यदि कोई स्कूल बार-बार नियमों की अनदेखी करता है, तो शिक्षा विभाग उसपर कड़ा एक्शन लेगा। सरकार ने अभिभावकों से भी अपील की है कि किसी भी तरह की अनावश्यक वसूली की शिकायत सीधे संबंधित जिले के शिक्षा अधिकारी से करें।

### शिक्षा मंत्री चार्जशीटेड हैं? सवाल पर बोले डिप्टी सीएम- दस्तावेज दीजिए, जांच हो जाएगी

**पटना,एजेंसी।** जब से बीजेपी विधायक मिथिलेश तिवारी शिक्षा मंत्री बने हैं, तब से लगातार सुर्खियों में हैं। कभी लड़कियों की शिक्षा से पर दिए बयानों को लेकर तो कभी 'झाड़-फूंक' वाले वीडियो के वायरल होने से विवादों में हैं। अब उनके ऊपर चल रहे मुकदमे पर चर्चा शुरू हो गई है। आज डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या शिक्षा मंत्री चार्जशीटेड हैं? सवाल सुनते ही उप-मुख्यमंत्री भड़क गए। हालांकि उन्होंने कहा कि दस्तावेज है तो दीजिए, जांच करवा लेंगे। डिप्टी सीएम सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी से पत्रकारों ने पूछा कि शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के बारे में कहा जा रहा है कि वह चार्जशीटेड हैं। इस पर आप क्या कहना चाहते हैं। सवाल सुनकर उन्होंने कहा कि अगर इससे जुड़ा कोई दस्तावेज है तो दे दीजिए जांच करवाएंगे लेकिन दस्तावेज नहीं है तो गलत आरोप ना लगाएं। वहीं सोना न खरीदने को लेकर पीएम मोदी की अपील का उप-मुख्यमंत्री ने समर्थन किया। विपक्ष के सवाल उठाने पर विजय चौधरी ने कहा, 'जिसको देश से प्रेम नहीं होगा, वही लोग इन सब चीजों का विरोध करेंगे।' विजय चौधरी ने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक स्थिति उसके विदेशी मुद्रा भंडार के आधार पर होता है और देश में पेट्रोलियम पदार्थ के बाद सोने के आयात पर बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ता है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने जो परिस्थितियों बन रही है, उसको देखते हुए यह सलाह दिया है। इससे तो देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

### रक्सौल-नरकटियागंज के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, यात्रियों की भीड़ देख रेलवे का निर्णय

**समस्तीपुर,एजेंसी।** पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मंडल की ओर से रक्सौल और नरकटियागंज के बीच एक विशेष स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया गया है। इस ट्रेन का परिचालन आगामी 16 मई 2026 से शुरू होगा। रेलवे प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 05543 और 05544 वाली यह स्पेशल ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलाई जाएगी। इसका परिचालन प्रत्येक शनिवार और गुरुवार को होगा, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 05543 रक्सौल-नरकटियागंज स्पेशल ट्रेन 16 मई 2026 से अपनी सेवाएं देगी। यह ट्रेन रक्सौल स्टेशन से दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर प्रस्थान करेगी। रास्ते में यह सिकटा स्टेशन पर 2 बजकर 38 मिनट पर रुकेगी और शाम 3 बजकर 35 मिनट पर नरकटियागंज स्टेशन पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 05544 नरकटियागंज-रक्सौल स्पेशल ट्रेन का भी परिचालन उसी दिन से किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार और गुरुवार को नरकटियागंज स्टेशन से शाम 7 बजकर 40 मिनट पर खुलेगी। इसके बाद सिकटा स्टेशन पर रात 8 बजकर 3 मिनट पर ठहराव करते हुए रात 8 बजकर 50 मिनट पर रक्सौल पहुंचेगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन के संचालन का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है। खासकर गर्मी के मौसम और त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखी जाती है, जिसके कारण नियमित ट्रेनों में भारी भीड़ हो जाती है। ऐसे में यह स्पेशल ट्रेन यात्रियों के लिए काफी लाभदायक साबित होगी। स्थानीय यात्रियों ने भी रेलवे के इस फैसले का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि रक्सौल और नरकटियागंज के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, व्यवसायियों और छात्रों को इस स्पेशल ट्रेन से बड़ी राहत मिलेगी।

# वर्दी रौब दिखाने के लिए नहीं मिली...

## बिहार डीजीपी का बड़ा बयान, दहेजखोर पुलिसवालों को भी दी चेतावनी

**पटना।** बिहार में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और घरेलू हिंसा के मामलों को लेकर पुलिस मुख्यालय अब सख्त नजर आ रहा है। इसी कड़ी में बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने 'घरेलू हिंसा और जेंडर आधारित हिंसा' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने साफ कहा कि पुलिस की वर्दी रौब दिखाने के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए मिली है।

कार्यशाला के उद्घाटन के बाद डीजीपी विनय कुमार ने महिला पुलिसकर्मियों के व्यवहार पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर महिला पुलिसकर्मी लोगों से रौब में बात करती हैं, जो गलत है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता सबसे जरूरी है।

डीजीपी ने एक मामले का जिक्र करते हुए बताया कि एक महिला एसएचओ ने गरीब परिवार से 9 हजार रुपये और चार चक्का गाड़ी की मांग की थी। इतना ही नहीं, किराये की गाड़ी लेकर कई दिनों तक घूमती रही। इस पर नाराजगी जताते हुए डीजीपी ने कहा कि ऐसे पुलिसकर्मियों को वर्दी पहनने का अधिकार नहीं है।

डीजीपी ने दहेज प्रथा पर भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस में कई जवान और अधिकारी दहेज मामलों में फंसे पाए गए हैं। ऐसे लोगों को नौकरी में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पुलिसकर्मी शादी के बाद दूसरी शादी कर लेते हैं और पहली पत्नी को छोड़ देते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

महिला थाना पुलिसकर्मियों को निर्देश देते हुए डीजीपी ने कहा कि वे सिर्फ थाने तक सीमित न रहें, बल्कि गांव और पंचायत स्तर तक जाकर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जेंडर आधारित हिंसा केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि समाज की सोच से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज की मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक महिलाओं के खिलाफ अपराध पूरी तरह खत्म नहीं होंगे।

डीजीपी विनय कुमार ने महिला पुलिसकर्मियों से अपील की कि वे पीड़ित महिलाओं और बच्चियों के साथ सहानुभूति और सम्मान से पेश आएं। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं मानसिक रूप से टूटी हुई हालत में थाने पहुंचती हैं। ऐसे समय में पुलिस का व्यवहार ही उनके लिए सबसे बड़ी उम्मीद बनता है।

कार्यशाला में ष्ठतक ने कहा कि जेंडर बेस्ड वॉयलेंस से जुड़े मामलों में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए और दोषियों को जल्द सजा दिलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार के अलग-अलग जिलों में जागरूकता अभियान और सहयोग शिविर चलाए जाएंगे, ताकि महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिल सके।

# बिहार में बाल आश्रय गृह से 10 बच्चे फरार, प्रशासनिक महकमे में हड़कंप

**मुजफ्फरपुर , एजेंसी।** बिहार के मुजफ्फरपुर बड़ी खबर सामने आई है। मुसहरी थाना क्षेत्र के नरौली स्थित बाल आश्रय गृह से देर रात करीब 10 बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में फरार हो गए। घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसडीओ (पूर्वी) तुषार कुमार, मुसहरी थाना पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई।

निरीक्षण के दौरान सामने आया मामला : जानकारी के अनुसार, अनुमंडल पदाधिकारी (पूर्वी) तुषार कुमार ने नरौली स्थित बाल आश्रय गृह का निरीक्षण किया। इसी दौरान यह खुलासा हुआ कि आश्रय गृह से करीब 10 बच्चे गायब हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि देर रात बच्चे सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए दीवार फांदकर या किसी अन्य रास्ते से फरार हो गए।

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई तेज : इस संबंध में आश्रय गृह के अधीक्षक की ओर से मुसहरी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुसहरी थाना पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। आश्रय गृह में मौजूद अन्य बच्चों और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बच्चे कब और कैसे फरार हुए। घटना के बाद आश्रय गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल फरार बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

22 दिनों पहले हुआ था ट्रांसफर : जिला बाल संरक्षण के सहायक निदेशक अभिषेक कुमार ने बताया कि यह बाल आश्रय गृह पहले सिकंदरपुर में संचालित होता था, जिसे 18 अप्रैल को वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित किया गया था।

सुपरिटेंडेंट के अनुसार, बच्चों ने खिड़की की ग्रिल तोड़कर वहां से फरार होने की कोशिश की, जिसमें करीब 10 बच्चे पलायन कर गए। प्रारंभिक जांच में सुरक्षा गार्ड की लापरवाही सामने आ रही है, जिसके कारण इस तरह की घटना हुई। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल : नरौली बाल आश्रय गृह से एक साथ 10 बच्चों का फरार होना सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक माना जा रहा है।

# शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या, शूटरों का सुराग जुटा रही एसटीएफ; बिहार से जुड़ रहा है सीधा कनेक्शन

**लखनऊ, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में यूपी एसटीएफ बिहार के शूटरों के बारे में सुराग जुटा रही है। इधर, कोलकाता पुलिस ने आधिकारिक रूप से यूपी एसटीएफ से सहयोग नहीं मांगा है। हालांकि इस हत्याकांड में बलिया के राज सिंह की गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ सतर्क हो गई है।

बता दें कि राज सिंह को गिरफ्तार करने में यूपी पुलिस ने सहयोग किया था। बाद में उसे कोलकाता पुलिस के हवाले कर दिया। राज सिंह पर शूटरों का इंतजाम करने और उन्हें संसाधन मुहैया कराने का आरोप है। इसके बाद एसटीएफ उसके नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। खासकर बिहार के उन शूटरों के बारे में पता लगाया जा रहा है, जो हाल ही में जेल से छूटे थे।

यह आशंका भी जताई जा रही है कि इन शूटरों को यूपी के किसी बाहुबली ने चंद्रनाथ रथ की हत्या की सुपारी दी थी। इस मामले की गहनता से छानबीन के लिए प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पश्चिम बंगाल पुलिस के संपर्क में हैं और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। राज सिंह को कोलकाता पुलिस ने रिमांड पर लिया है। उससे पूछताछ में सामने आए तथ्यों को भी साझा किया जा सकता है, जिससे शूटरों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

# स्टांप चोरी में टोल प्लाजा का संचालन करने वाली कंपनी पर 6.28 करोड़ का जुर्माना

**भदोही, एजेंसी।** जिला मजिस्ट्रेट शैलेश कुमार की अदालत ने मंगलवार को स्टांप चोरी के मामले में लालानगर टोल प्लाजा का संचालन करने वाली काशी टोल-वे प्राइवेट लिमिटेड पर 6.28 करोड़ का जुर्माना लगाया है। कंपनी को स्टांप शुल्क के 62.88 करोड़ रुपये भी जमा करने के आदेश दिए हैं। बता दें कि भदोही में स्टांप चोरी पकड़े जाने के बाद देश के 55 टोल कंपनियों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर लालानगर के पास टोल प्लाजा का संचालन का जिम्मा 18 मार्च 2023 को नेताजी सुभाष प्लेस, प्रीतमपुरा, नई दिल्ली स्थित काशी टोल-वे प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल के मिला था।

इसके एवज में कंपनी ने एनएचएआई को 3144 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। 26 नवंबर 2024 को प्रमुख सचिव ने टोल के अनुबंधों की जांच के निर्देश दिए थे। रजिस्ट्री विभाग की ओर से टोल कंपनी से अनुबंध के दस्तावेज मांगे गए थे लेकिन हर बार अधूरा जवाब देने पर रजिस्ट्री विभाग ने आरटीआई के माध्यम से जानकारी हासिल की। इसमें पता चला कि काशी टोल-वे का 15 साल का लीज अनुबंध है।

इस पर दो फीसदी स्टांप देय होता है।

विभाग की जांच में 3244 करोड़ रुपये के अनुबंध में दो फीसदी के तहत 62.88 करोड़ रुपये की स्टांप की चोरी पकड़ी गई। इसके बाद एआईजी स्टांप पंकज सिंह ने स्टांप वाद के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई। इस मामले में सुनवाई करते हुए जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने काशी टोलवे कंपनी को स्टांप चोरी में दोषी पाया।

**सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रमुख सचिव ने कराई जांच :** रीवा टोल-वे प्राइवेट लिमिटेड बनाम मध्यप्रदेश सरकार 2024 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि रीवा टोल-वे प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मध्य प्रदेश सरकार के साथ किए गए रियायत समझौते को एक पट्टा माना जाएगा और इस पर स्टांप ड्यूटी लगनी चाहिए।

इसी को आधार बनाकर प्रमुख सचिव स्टांप ने प्रदेश के सभी टोल प्लाजा का संचालन कर रही कंपनियों के अनुबंधों की जांच के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में रजिस्ट्री विभाग की ओर से काशी टोल-वे प्राइवेट लिमिटेड के अनुबंध की जांच की गई।

# खतरे में बांदा पुलिस की वर्दी? 'मुठभेड़' की कहानी पर गहराया शक, आधी रात अस्पताल पहुंचे तीन जज

**कानपुर, एजेंसी।** बांदा जिले के बदौसा थाना क्षेत्र में महिला से लूट के आरोपियों की पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तारी के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मुठभेड़ में घायल आरोपी आदेश के परिजनों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने जिन आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार दिखाया।

उन्हें घटना के चार दिन पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने जनपद न्यायालय से दो घंटे के भीतर रिपोर्ट तलब कर ली। कोर्ट के आदेश के बाद जिला जज (डीजे) अल्पना व अपर जिला जज (एडीजे) और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) सोमवार देर शाम तकरीबन साढ़े नौ बजे अचानक जिला अस्पताल पहुंचे।

### पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया

यहां उन्होंने ट्रामा सेंटर में भर्ती घायल आरोपी से जुड़े अभिलेखों की मंगलवार रात आधे घंटे जांच की और मेडिकल रिकॉर्ड अपने कब्जे में लेकर वापस चले गए। न्यायिक अधिकारियों की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले में पुलिस ने जवाब तलब किया गया है।

### यह था मामला

बीते रविवार को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद बिसंडा थाना क्षेत्र के पुनाहुर निवासी आदेश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया था, जबकि उसके एक अन्य साथी उमेश को भी दबोचने का दावा किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी लूट की घटना में शामिल थे और जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी थी।

मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

वहीं घायल आरोपी के परिजनों का कहना है कि पुलिस की कहानी पूरी तरह झूठी है। उनका आरोप है कि आरोपी को चार दिन पहले ही उठा लिया गया था और बाद में मुठभेड़ दिखाकर गोली मार दी गई। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

# किसी के क्लैपर निकाले, किसी के बांधे; गणेश द्वार से गर्भगृह तक नहीं बजते 11 घंटे

**मिर्जापुर, एजेंसी।** विंध्यवासिनी मंदिर में दो नंबर प्रवेश द्वार से लेकर गणेश द्वार और गर्भगृह तक 11 घंटे मौन हो गए हैं। किसी घंटे में क्लैपर (घंटे में नाद करने वाला हिस्सा) नहीं है तो कुछ के क्लैपर को ज्यादा ध्वनि होने के कारण बांध दिया गया है।कुछ ऐसी जगह पर लगे हैं, जहां पर आम श्रद्धालुओं की पहुंच नहीं है। मंदिर परिसर में सिर्फ एक घंटे तक ही आम श्रद्धालुओं की पहुंच है। ऐसे में दर्शन से पहले घंटा बजाकर मां के दरवार में श्रद्धालु अपनी हाजिरी नहीं लगा पा रहे हैं। निराशा में श्रद्धालु घंटों को छूकर रस्म अदायगी कर रहे हैं। इससे श्रद्धालुओं और पंडा समाज के पदाधिकारियों में रोष है।

हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंदिर में प्रवेश करते समय घंटा बजाना देवी-देवताओं को जगाने, नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मकता लाने का प्रतीक माना जाता है लेकिन विंध्याचल धाम में आध्यात्मिक मान्यता पर संकट है। प्रवेश द्वार से लेकर गर्भगृह तक एक भी ऐसा घंटा नहीं मिलेगा, जो टन-टन बजता हो।

गणेश द्वार पर पांच विशालकाय घंटे लटक रहे हैं लेकिन सभी के क्लैपर गायब हैं। गर्भगृह में छोटे-छोटे घंटों का गुच्छा है। इनमें क्लैपर तो हैं पर उनको बांधकर रखा गया है। बताया गया कि गर्भगृह में घंटों की अधिक ध्वनि के कारण इनको बंधवा दिया गया है। तीन नंबर गेट से झांकी दर्शन को जाने वाले मार्ग पर दो घंटे लगे हैं, एक में जुगाड़ से क्लैपर लगाया गया है।

विंध्य पंडा समाज के लोगों के साथ चर्चा की जाएगी। इसके बाद जल्द से जल्द व्यवस्था में सुधार कराया जाएगा।

# बेटा खेलता था मोबाइल में ऑनलाइन गेम, मां के अकाउंट से लाखों गायब

**मुंगेर,एजेंसी।** जिले के जमालपुर में साइबर अपराध का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां साइबर ठगों ने एक महिला की वर्षों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर दिया। फिलहाल पूरे मामले की एजेंसियां जांच में जुटी है।

**महिला के खाते से 11 लाख गायब:** महिला ने जमीन खरीदने के उद्देश्य से अपनी एफडी तुड़वाकर 11 लाख 3 हजार 27 रुपये अपने पंजाब नेशनल बैंक के खाते में जमा कराए थे, लेकिन कुछ ही दिनों के अंदर साइबर अपराधियों ने अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए खाते से पूरी राशि उड़ा ली।

**इलाके में हड़कंप:** जब महिला बैंक पहुंची और पासबुक अपडेट करायी तो खाते में एक भी रुपये नहीं बचे थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और लोग भी अपनी बैंकिंग सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

**पासबुक अपडेट कराने पर खुलासा:** पीड़िता के अनुसार, उसने हाल ही में जमीन खरीदने की योजना बनायी थी। इसी उद्देश्य से उसने अपनी एफडी तुड़वाकर 11 लाख से अधिक की राशि बैंक खाते में जमा की थी ताकि जरूरत पड़ने पर भुगतान किया जा सके। महिला को इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि साइबर अपराधियों की नजर उसके खाते पर पड़ चुकी है।

महिला ने बताया कि बीते 8 मई को वह बैंक में पासबुक अपडेट कराने पहुंची थी। पासबुक में एंट्री देखने के बाद उसके पैरों तले जमीन खिसक गयी।खाते से पूरी रकम गायब थी। पहले तो उसे लगा कि शायद बैंक की कोई तकनीकी गड़बड़ी होगी, लेकिन जब बैंक अधिकारियों से जानकारी ली गयी तो पता चला कि 22 अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच अलग-अलग माध्यमों से कई ट्रांजैक्शन किए गए और धीरे-धीरे पूरी राशि निकाल ली गयी।

अलग-अलग ट्रांजैक्शन से निकाली गयी रकम: बैंक रिकॉर्ड के अनुसार साइबर अपराधियों ने एक ही बार में बड़ी रकम निकालने के बजाय कई ट्रांजैक्शन के जरिए पैसे उड़ाए। इससे शुरुआती दौर में किसी को संदेह नहीं हुआ। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि रकम किस खाते में ट्रांसफर हुई, ट्रांजैक्शन किन डिवाइसों और आईपी एड्रेस से किए गए और कहीं किसी फर्जी लिंक या मोबाइल एप के जरिए बैंकिंग जानकारी तो चोरी नहीं की गयी।

**पीड़िता ने लगायी इंसाफ की गुहार:** घटना की जानकारी मिलते ही महिला ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करायी। इसके बाद साइबर थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गयी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

**मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलता था बेटा:** मामले की जांच कर रहे साइबर डीएसपी सह थानाध्यक्ष राकेश रंजन ने बताया कि इस मामले में कई तकनीकी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आयी है कि महिला के मोबाइल फोन का इस्तेमाल उसका बेटा करता था और उसे ऑनलाइन गेम खेलने की आदत थी। ऐसे में पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि कहीं ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म या किसी फर्जी एप के माध्यम से खाते की जानकारी लीक तो नहीं हुई।

**मैसेज पर नहीं दिया गया ध्यान:** पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि पिछले एक सप्ताह के दौरान महिला के मोबाइल पर कई ट्रांजैक्शन और ओटीपी संबंधी मैसेज आए थे। आशंका जतायी जा रही है कि साइबर अपराधियों ने किसी लिंक, कॉल, एप या अन्य तकनीकी माध्यम से बैंकिंग डिटेल हासिल की होगी। हालांकि पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है और तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

**साइबर अपराधियों के निशाने पर आम लोग:** यह घटना एक बार फिर यह साबित करती है कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं।कभी फर्जी कॉल, कभी केवाईसी अपडेट, कभी बैंक अधिकारी बनकर तो कभी ऑनलाइन गेमिंग और एप्स के जरिए लोगों की बैंकिंग जानकारी चुरायी जा रही है।थोड़ी सी लापरवाही लोगों की वर्षों की मेहनत की कमाई को पल भर में खत्म कर सकती है।

**लोगों से अपील:** आज के समय में मोबाइल फोन ही बैंकिंग का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। ऐसे में मोबाइल की सुरक्षा, एप डाउनलोड करने में सावधानी और बैंकिंग जानकारी को गोपनीय रखना बेहद जरूरी हो गया है। साइबर डीएसपी राकेश रंजन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी नंबर और बैंकिंग पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अनजान कॉल, लिंक और मैसेज पर भरोसा करने से बचें। मोबाइल में केवल अधिकृत और विश्वसनीय बैंकिंग ऐप का ही इस्तेमाल करें।

# विराट आलोचना नहीं झेल पाते

● पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने टॉस के दौरान का बताया वाकया

**नई दिल्ली।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि विराट कोहली आलोचना नहीं झेल पाते हैं। उनका दावा है कि कोहली अपने बारे में कही गई हर बात को पढ़ते और सुनते हैं। मांजरेकर ने उन घटनाओं के बारे में बताया जब टॉस के समय कोहली ने आलोचना के बाद उन्हें 'ठंडा' जवाब दिया था। मांजरेकर ने कहा कि कोहली कहते हैं कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि लोग उनके बारे में क्या कहते हैं या क्या सोचते हैं, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान मैदान पर अपने प्रदर्शन के जरिए आलोचना या नकरात्मकता का जवाब देना चाहते हैं। मांजरेकर ने स्पोर्टस्टार के इनसाइट एज पॉडकास्ट पर कहा,'कोहली ऐसे इंसान हैं जो आलोचना नहीं झेल पाते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें पता चल जाता है कि उनके बारे में क्या कहा जा रहा है क्योंकि मेरा उनके साथ एक कप्तान और एक खिलाड़ी के तौर पर अनुभव रहा है। अचानक एक दिन मैंने उन्हें टॉस के समय या कहीं और बहुत ठंडा पाया और मुझे लगा शायद उन्होंने अपने बारे में कही गई कोई बात सुन ली है।'

## आलोचना से बड़ा शतक जड़ने के लिए प्रेरणा



मांजरेकर ने कहा, 'वह उन लोगों में से एक है जो कहते रहे हैं कि हमें इस बात की परवाह नहीं है कि लोग क्या कहते हैं और क्यों कहते हैं, लेकिन वह बहुत भावुक भी हैं। शायद यह एक अच्छी बात भी है क्योंकि अगर वह इस तरह की आलोचना या कुछ नकारात्मक सुनते हैं तो इससे उन्हें बड़ा शतक जड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है।' मांजरेकर ने मैदान पर कोहली की ऊर्जा की तारीफ की और कहा कि इससे टीम का हौसला बढ़ाने में मदद मिलती है। विराट कोहली की कप्तानी में हर खिलाड़ी को विराट कोहली जैसा बनना था मांजरेकर ने कहा, 'कप्तान के तौर पर उनके बारे में अच्छी बात यह थी कि जब चीजें खराब चल रही थीं जब उन्हें पता था कि पिच या गेंदबजी के साधनों को देखते हुए वे विकेट नहीं ले पाएंगे तब भी वे यह पक्का करते थे कि टीम जोश में रहे। मैदान पर ऊर्जा बनी रहे। उन्होंने उन्हें यकीन दिलाया कि चीजें होंगी। मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि टीम कप्तान जैसा होता है वैसी ही होती है। विराट कोहली की कप्तानी में हर खिलाड़ी को विराट कोहली जैसा बनना था। अगर कोई मैदान पर जाकर थोड़ा भी ढीला दिखता तो वह अगला टेस्ट मैच नहीं खेल पाता। इसलिए सभी ने विराट के आक्रमकता को अपनाया।'

# सीएसके ने 24 वर्षीय ऑलराउंडर मैकनील हैडली नरोन्हा को टीम में किया शामिल



**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों के लिए कर्नाटक के 24 वर्षीय ऑलराउंडर मैकनील हैडली नरोन्हा को टीम में शामिल किया है। वह चोटिल तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर रामकृष्ण घोष की जगह लेंगे, जो अपने आईपीएल डेब्यू मैच में पैर की चोट का शिकार हो गए थे। हालांकि, अभी इस साइनिंग पर बीसीसीआई की आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंजूरी मिलने के बाद सीएसके इसकी औपचारिक घोषणा करेगी।

**कौन हैं मैकनील हैडली नरोन्हा** – मैकनील नरोन्हा घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक के लिए खेलते हैं और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों में बल्लेबाजी कर सकते हैं, जबकि ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए तीन मुकाबले खेले, जिसमें 161.11 के स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए।

**महाराजा ट्रॉफी में दिखाया दम** – नरोन्हा ने महाराजा ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था। उन्होंने मंगलुरु ड्रैगन्स को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। 13 मैचों में उन्होंने 148.82 के स्ट्राइक रेट से 253 रन बनाए, जिसमें 19 छक्के शामिल थे। गेंदबाजी में भी उन्होंने 10 विकेट झटके और उनका इकॉनमी रेट 7.44 रहा।

**रेड-बॉल क्रिकेट में भी कमाल** – मैकनील सिर्फ टी20 ही नहीं, बल्कि लंबे फॉर्मेट में भी शानदार रिकॉर्ड रखते हैं। उन्होंने कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी 2024-25 में दो तिहरे शतक लगाए। उन्होंने त्रिपुरा और उत्तराखंड के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी जड़ी थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 14 पारियों में 1037 रन बनाए।

**सीएसके की बढ़ती इंजरी समस्या** – आईपीएल 2026 में सीएसके लगातार चोटों से परेशान रही है। रामकृष्ण घोष टीम के तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्हें चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इससे पहले नाथन एलिस की जगह स्पेंसर जॉनसन और आयुष म्हात्रे की जगह आकाश मधवाल को टीम में शामिल किया गया था। वहीं खलील अहमद भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, जबकि एमएस धोनी अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं।

पंजाब स्टेट डियर 200 मंथली लॉटरी

टिकट मूल्य ₹200

प्रथम पुरस्कार विजेता के लिए राशि ₹1.50 करोड़ गारंटीड

ड्रॉ दिनांक 06.06.2026 6 PM Onwards

SELLER Prize Amount : ₹10 LAKHS

SUB-STOCKIST Prize Amount : ₹5 LAKHS

प्रथम पुरस्कार केवल बिक्री की गयी टिकटों में से ही निकाली जायेगी।

LIVE STREAMING www.punjablotteries.com/livedraw

द्वितीय पुरस्कार राशि विजेताओं के लिए ₹20 लाख (₹10 Lakhs x 2 Prizes)

Seller Prize Amount : ₹1,00,000

Sub-Stockist Prize Amount : ₹50,000

तृतीय पुरस्कार राशि विजेताओं के लिए ₹10 लाख (₹5 Lakhs x 2 Prizes)

Seller Prize Amount : ₹50,000

Sub-Stockist Prize Amount : ₹20,000

कई अन्य आकर्षक पुरस्कार जीतें

| Rank | No. of Prizes | Prize Amount for Winners ₹ | Prize Amount for Sellers ₹ | Prize Amount for Sub-Stockist ₹ | Method of Draw |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | 1,50,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | One Complete Number of 6 Digits shall be drawn Either from Series A or B, If number falls from unsold tickets, then machine shall be re-operated till the prize is drawn from sold tickets. |
| 2 | 2 | 10,00,000 | 1,00,000 | 50,000 | Two Complete Number of 6 Digit Shall be Drawn along with Series. One from A Series & One from B Series |
| 3 | 2 | 5,00,000 | 50,000 | 20,000 | Two Complete Number of 6 Digit Shall be Drawn along with Series. One from A Series & One from B Series |
| 4 | 60 | 9,000 | 900 | 100 | Ten Numbers of 5 Digits Shall be Drawn. (Last 5 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series) |
| 5 | 120 | 8,000 | 800 | 50 | Two Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series) |
| 6 | 120 | 6,000 | 600 | 50 | Two Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series) |
| 7 | 300 | 4,000 | 400 | 30 | Five Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series) |
| 8 | 300 | 2,000 | 200 | 20 | Five Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series) |
| 9 | 30,000 | 300 | 30 | 10 | Five Hundred Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series) |

★ Prize Amount for Sellers & Sub-Stockists above ₹ 10,000 should be claimed from Government only

★TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026

Issued by : Directorate of Small Savings, Banking and Lotteries, Punjab

₹ 1.50 करोड़ के हालिया विजेता

DEAR 200 MONTHLY — Mr. KAPIL DEV, Draw Date: 07.03.2026, Ticket No. 794994

DEAR 200 MONTHLY — Mrs. VAISHALI TUSHAR DESHMUKH, Draw Date: 08.03.2025, Ticket No. 545595

DEAR 200 MONTHLY — Mr. HARJIT SINGH, Draw Date: 04.02.2025, Ticket No. 746535

DEAR 200 MONTHLY — Mr. BIBHUTI KUMAR RAI, Draw Date: 07.01.2025, Ticket No. 308196

DEAR 200 MONTHLY — Mr. MANGAL SINGH, Draw Date: 03.12.2024, Ticket No. 347063

पूछताछ के लिए, कॉल करें (टोल फ्री) : 1800 103 6711 (पश्चिम बंगाल) टिकट सभी लॉटरी काउन्टरों पर उपलब्ध हैं

फीफा वर्ल्ड कप

# रोनाल्डो के पास वर्ल्ड कप जीतने का आखिरी मौका,41 की उम्र में बड़ा मिशन



**ब्राजील (एजेंसी)।** रोनाल्डो पिछले दो दशकों से फुटबॉल की दुनिया पर राज कर रहे हैं, लेकिन अब तक वह विश्व कप ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा नहीं कर सके हैं। 41 साल की उम्र में अब उनके पास फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रूप में विश्व चैंपियन बनने का आखिरी मौका होगा। पांच बार बैलन डी'ओर जीत चुके रोनाल्डो ने अपने करियर में लगभग हर बड़ी ट्रॉफी जीती है, लेकिन विश्व कप खिताब अब भी उनकी उपलब्धियों की सूची से गायब है।

**पुर्तगाल के लिए बनाए रिकॉर्ड गोल** – रोनाल्डो ने पोट्रगल नेशनल फुटबाल टीम के लिए 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में विश्व रिकॉर्ड है। हालांकि इस साल की शुरुआत में सऊदी प्रो लीग में एआई नासर एफसी की ओर से खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह अप्रैल में अमेरिका के खिलाफ खेले गए मैत्री मैच में हिस्सा नहीं ले सके थे। लेकिन अगर वह पूरी तरह फिट रहते हैं तो उनका विश्व कप टीम में चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।

**मेसी के साथ रच सकते हैं बड़ा इतिहास** – अगर रोनाल्डो वर्ल्ड कप 2026 में खेलते हैं तो वह लयोन मेस्सी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो पहले ही साफ कर चुके हैं कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। उन्होंने नवंबर में सीएनएन से बातचीत में कहा था, यह निश्चित रूप से मेरा आखिरी विश्व कप होगा।

**आसान ग्रुप में पुर्तगाल** –पुर्तगाल को ग्रुप के में रखा गया है, जहां उसका सामना कोलंबो नेशनल फुटबाल टीम उज्बेकिस्तान और कांगो से होगा। ग्रुप को देखते हुए पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि पिछले साल नवंबर में आयरलैंड से 2-0 की हार ने टीम को बड़ा झटका दिया था। उस मैच में रोनाल्डो को विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मारने के कारण रेड कार्ड मिला था और उन्हें दो मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। इसके बाद पुर्तगाल ने शानदार वापसी करते हुए आर्मेनिया को 9-1 से हराकर विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया।

**2022 वर्ल्ड कप में टूटा था सपना** – वर्ल्ड कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन मोरक्को नेशनल फुटबाल टीम से 1-0 की हार के बाद टीम बाहर हो गई थी। उस मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे। पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। वहीं कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी ग्रुप में पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

## एफआईएच नेशनल कप की तैयारी में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलेगी 4 मैच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हाकी इंडिया ने मंगलवार को ऐलान किया कि भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के तहत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। यह टूर्नामेंट 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में ट्रेनिंग और अभ्यास मैच खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में मदद मिलेगी।

**ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाएंगी 4 मैचों की सीरीज** – भारत इस दौरे के दौरान आस्ट्रेलिया बुमेन नेशनल फील्ड हाकी टीम के खिलाफ चार मैच खेलेगा। ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे। इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी और टीम संयोजन को मजबूत करने की कोशिश करेगी।

**न्यूजीलैंड में भी करेगी अभ्यास** – ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड रवाना होगी, जहां नेशनल कप से पहले अभ्यास मैच खेले जाएंगे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी चिरांग निवासी ने ₹1 करोड़ जीते



चिरांग, असम से श्री चंदन कुमार साहा ने **12.02.2026** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर ₹ 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **96D 17878** है। उन्होंने सिक्किम स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "कोई भी व्यक्ति अपनी वृद्धावस्था में जो आगे देखता है उसे डियर लॉटरी की कृपा से प्राप्त किया जा सकता है। डियर लॉटरी के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करना ही काफी नहीं होगा, बल्कि हमें अपनी हार्दिक भावनाएं जतानी चाहिए। आर्थिक स्थिरता के मामले में यह पुरस्कार राशि जीवन में बड़ी मदद बन सकती है और मुझे तथा मेरे परिवार को बहुत खुशहाल कर सकती है," विजेता ने कहा।

*विजेता का विवरण सरकारी वेबसाइट से लिया गया है।

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक ममता वाजपेयी द्वारा 4,केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता -15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रेरक संपादकः राजेन्द्र नारायण वाजपेयी । **संपादक : रितेश वाजपेयी।**
Phone: 2236-1572,4800 9234, E-mail-bharatmitral@gmail.com, Fax No.-033-3315-1533, **हवाई शुल्कः** अगरतला 6 रुपये,गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन